

सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 76] प्रकाशक, मसिना, 20 अगस्त, 2022 ई० (श्रावण 29, 1944 संवत्) [संख्या 34

विषय-सूची

हर भाग के पाने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सकते हैं।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक मन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक मन्दा
सम्पूर्ण गज़ट का मूल्य		५०			५०
भाग 1-विज्ञापन-अवकाश, निपुणता, स्थान-निपुणता, अन्तर्गत, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	245-248	3075	भाग 4-विदेशीय विद्या विभाग, गज़ट प्रदेश	14-15	875
भाग 2-क-विभाग, कार्य-विभाग, आचार्य, निपुणता, अन्तर्गत, अन्तर्गत, अन्तर्गत प्रदेश की राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अन्तर्गत तथा राज्य परिषद् में जारी किया	245-248	1500	भाग 6-एकान्तरेय अन्तर, उत्तर प्रदेश भाग 8-(क) विज्ञापन, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये (ख) विदेशीय कमेटीयों की रिपोर्टें		875
भाग 1-ख (1) औद्योगिक व्यापारिक-कार्यों के अन्तर्गत			भाग 8-क-साधारण संसद के ऐक्ट भाग 1-क-विज्ञापन, जो राज्य की अन्त समाजों में प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये (ख) विदेशीय कमेटीयों की रिपोर्टें		875
भाग 1-ख (2)-सम व्यापारिकों के अन्तर्गत			भाग 1-क-उत्तर प्रदेशीय साक्ष्य संसदों के ऐक्ट		875
भाग 2-आचार्य, विज्ञापन, विभाग और निपुणता, विज्ञापन, विज्ञापन, विज्ञापन और अन्तर्गत राज्यों की राजधानी में जारी किया, हार्ड कोर्ट की विज्ञापन, गज़ट सरकार की गज़ट और दूसरे राज्यों के गज़टों का संदर्भ		975	भाग 7-क-इलेक्ट्रिक कमीशन और विज्ञापन के अन्तर्गत तथा अन्य विज्ञापन सम्बन्धी विज्ञापन		
भाग 3-स्थापक शासन विभाग का कोर्ट, गज़ट क-नगरपालिका परिषद्, गज़ट क-नगर पंचायत गज़ट ग-निपुणता (नगरपालिका विभाग) तथा सप्ताह ग-जिला पंचायत		975	भाग 8-सरकारी गज़ट-जन्म, दफ्तरी हार्ड कोर्ट की गज़ट का विवरण-जन्म, जन्म- गणन के अन्तर्गत, गणपति होने वाले अन्य करने वाले के अन्तर्गत, कलाल अन्य जन्म सम्बन्धी रिपोर्टें, बाजार भाव, राष्ट्रपति, विज्ञापन, विज्ञापन स्टैंड-प्रदेश विभाग का कोर्ट पर	421-422	875 1422

भाग 1

विवक्षित-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

अनुभाग-10

पदोन्नति

24 जून, 2022 ई०

सं० 35/2022/886/सर्चाईस-10-22-100(02)/2021—श्री सैतेन्द्र कुमार, मुख्य अभियन्ता (यांत्रिक) स्तर-2 (नलकूप परिवर्धन) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ०प्र०, मेरठ को मुख्य अभियन्ता (यांत्रिक) स्तर-1 (पुनरीक्षित पे-मेट्रिक्स लेवल-14) के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित पदोन्नति किये जाने की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति एतद्वारा प्रदान करते हैं।

2—उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा।

3—श्री सैतेन्द्र कुमार की परम्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

4—उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष दायित वाद सं० 122/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमार्शकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में दायित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 36/2022/887/सर्चाईस-10-22-100(03)/2021—श्री राफीम गार्जिय, असीकृत अभियन्ता (या) नलकूप मण्डल आगरा को मुख्य अभियन्ता (यांत्रिक) स्तर-2 (पुनरीक्षित पे-मेट्रिक्स लेवल-13क) के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित पदोन्नति किये जाने की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति एतद्वारा प्रदान करते हैं।

2—उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा।

3—श्री गार्जिय की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

4—उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष दायित वाद सं० 122/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमार्शकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में दायित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 37/2022/888/सर्चाईस-10-22-100(03)/2021—श्री दिनेश कुमार मिश्र, असीकृत अभियन्ता (या) केन्द्रीय सज्जा एवं मण्डार आपूर्ति मण्डल-1, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ०प्र० लखनऊ को मुख्य अभियन्ता (यांत्रिक) स्तर-2 (पुनरीक्षित पे-मेट्रिक्स लेवल-13क) के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित पदोन्नति किये जाने की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति एतद्वारा प्रदान करते हैं।

2—उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा।

3—श्री मिश्र की परम्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

4—उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष दायित वाद सं० 122/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमार्शकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में दायित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 38/2022/877/सर्चाईस-10-22-100(4)/21—सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की यांत्रिक शीर्ष के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवाविधुति से प्राप्त विनियमों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री जयन्त मिश्र, अधिराशी अभियन्ता (यांत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर असीकृत अभियन्ता (यांत्रिक) के पद (वेतनमान रु० 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु० 8,700 पुनरीक्षित वेतनमान रु० 1,23,100-2,14,100 पे मेट्रिक्स लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री मिश्रा की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3—उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत बाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, बाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा बाद सं० 7001/एस०एस०/2018 स्मार्तकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 39/2022/878/सर्वाईस-10-22-100(4)/21—सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के यांत्रिक संवर्ग के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षितों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री उपेन्द्र सिंह, अधिरासी अभियन्ता (यांत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (यांत्रिक) के पद (वेतनमान रु० 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु० 8,700 पुनरीक्षित वेतनमान रु० 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की श्री राज्यापाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री सिंह की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3—उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत बाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, बाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा बाद सं० 7001/एस०एस०/2018 स्मार्तकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 40/2022/879/सर्वाईस-10-22-100(4)/21—सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के यांत्रिक संवर्ग के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षितों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री विरम विजय कृष्ण, अधिरासी अभियन्ता (यांत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (यांत्रिक) के पद (वेतनमान रु० 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु० 8,700 पुनरीक्षित वेतनमान रु० 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की श्री राज्यापाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री विरम विजय कृष्ण की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3—उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत बाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, बाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा बाद सं० 7001/एस०एस०/2018 स्मार्तकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 41/2022/880/सर्वाईस-10-22-100(4)/21—सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के यांत्रिक संवर्ग के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षितों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री शिव प्रसाद मीर, अधिरासी अभियन्ता (यांत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (यांत्रिक) के पद (वेतनमान रु० 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु० 8,700 पुनरीक्षित वेतनमान रु० 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की श्री राज्यापाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री सिंह की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3—उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत बाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, बाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा बाद सं० 7001/एस०एस०/2018 स्मार्तकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 42/2022/881/सर्वाईस-10-22-100(4)/21—सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के यांत्रिक संवर्ग के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षितों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री इनामुद्दीन रहमानी, अधिरासी अभियन्ता (यांत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान

पर अधीक्षण अभियन्ता (गात्रिक) के पद (वेतनमान रु 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु 8,700) पुनरीक्षित वेतनमान रु 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की भी राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री रहमान की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3-उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (गात्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत वाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेश बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमार्शकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 43/2022/882/सतार्ईस-10-22-100(4)/21-सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के गात्रिक संवर्ग के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षियों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री अरुण नीखरा, अधिकांसी अभियन्ता (गात्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (गात्रिक) के पद (वेतनमान रु 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु 8,700) पुनरीक्षित वेतनमान रु 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की भी राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री नीखरा की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3-उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (गात्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत वाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेश बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमार्शकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 44/2022/883/सतार्ईस-10-22-100(4)/21-सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के गात्रिक संवर्ग के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षियों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री राम धनी चौहान, अधिकांसी अभियन्ता (गात्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (गात्रिक) के पद (वेतनमान रु 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु 8,700) पुनरीक्षित वेतनमान रु 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की भी राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री चौहान की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3-उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (गात्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत वाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेश बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमार्शकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 45/2022/884/सतार्ईस-10-22-100(4)/21-सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के गात्रिक संवर्ग के अन्तर्गत चयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षियों के सापेक्ष विभागीय चयन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री रमण चन्द चौधरी, अधिकांसी अभियन्ता (गात्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (गात्रिक) के पद (वेतनमान रु 37,400-87,000 एवं ग्रेड पे रु 8,700) पुनरीक्षित वेतनमान रु 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की भी राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री चौधरी की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3-उक्त पदोन्नति सहायक अभियन्ता (गात्रिक) की वरिष्ठता सूची के संख्या में मा० उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष पंजीत वाद सं० 722/एस०बी०/88 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेश बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमार्शकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सं० 88/2022/885/सर्तार्डस-10-22-100(4)/21-सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के पत्रिक संवर्ग के अन्तर्गत घयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षितों के सापेक्ष विभागीय बचन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री अरवली कुमार सिंह, अधिरासी अभियन्ता (पत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (पत्रिक) के पद (वेतनमान रु० 37,400-67,000 एवं ग्रेड पे रु० 8,700 पुनर्दीक्षित वेतनमान रु० 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-यका आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री सिंह की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3-यका पदोन्नति सहायक अभियन्ता (पत्रिक) की परिष्कृत सूची के संकेत में मा० चम्पू नारायण खण्डवीठ लखनऊ के मा० पंजित वार सं० 722/एस०बी०/89 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमाशंकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेंगी।

सं० 47/2022/886/सर्तार्डस-10-22-100(4)/21-सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के पत्रिक संवर्ग के अन्तर्गत घयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षितों के सापेक्ष विभागीय बचन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री लखवीर सिंह, अधिरासी अभियन्ता (पत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (पत्रिक) के पद (वेतनमान रु० 37,400-67,000 एवं ग्रेड पे रु० 8,700 पुनर्दीक्षित वेतनमान रु० 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-यका आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री सिंह की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

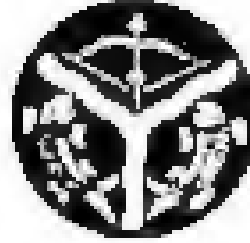
3-यका पदोन्नति सहायक अभियन्ता (पत्रिक) की परिष्कृत सूची के संकेत में मा० चम्पू नारायण खण्डवीठ लखनऊ के मा० पंजित वार सं० 722/एस०बी०/89 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमाशंकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेंगी।

सं० 48/2022/887/सर्तार्डस-10-22-100(4)/21-सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के पत्रिक संवर्ग के अन्तर्गत घयन वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्ति से प्राप्त शिक्षितों के सापेक्ष विभागीय बचन समिति की संस्तुति के क्रम में श्री संजय कुमार वर्मा, अधिरासी अभियन्ता (पत्रिक) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर अधीक्षण अभियन्ता (पत्रिक) के पद (वेतनमान रु० 37,400-67,000 एवं ग्रेड पे रु० 8,700 पुनर्दीक्षित वेतनमान रु० 1,23,100-2,14,100 पे मैट्रिक लेवल-13) पर नियमित पदोन्नति की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-यका आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा। श्री वर्मा की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

3-यका पदोन्नति सहायक अभियन्ता (पत्रिक) की परिष्कृत सूची के संकेत में मा० चम्पू नारायण खण्डवीठ लखनऊ के मा० पंजित वार सं० 722/एस०बी०/89 श्रीकान्त गुप्ता बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, वाद सं० 1240/एस०बी०/2007 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य तथा वाद सं० 7001/एस०एस०/2018 रमाशंकर बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित अन्तिम निर्णय के अधीन रहेंगी।

आज्ञा से,
राम नारायण त्रिपाठी,
संयुक्त सचिव।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रकाशक, रजिस्ट्रार, २० अगस्त, २०२२ ई० (श्रावण २९, १९४४ शक संवत्)

भाग १-क

नियम, कार्य विधि, आज्ञा, विज्ञापित इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय,

विभिन्न विभागों से अत्यन्त तथा राजस्व परिवर्द्ध में जारी किया।

कार्यालय, जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर

२७ जून, २०२२ ई०

सं० ६०४१(१)/आ-वि०सू०-अ०प्र० सि०नगर/अवि०सू०/२०२२-२३-भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्वासस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, २०१३ की धारा ११ की उपधारा (१) के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के उद्देश्य हेतु) यह है, कि उप मुख्य अतिथि, कन्सट्रक्शन/जनरल, नार्थ ईस्ट रेलवे, गोरखपुर के माध्यम से सामाजिक प्रयोजन महाराष्ट्र खलीलाबाद री०पी० रेल लाईन परियोजना हेतु जगपद सिद्धार्थनगर, तहसील बौली, परगना बौली मुख, ग्राम सिंहरवा में रकबा २.०८८८८८८८ हे० भूमि की आवश्यकता है।

२-राज्य सामाजिक समाघात निर्धारण एजेंसी द्वारा सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन किया गया है तथा अनुचित सरकार (कलेक्टर, सिद्धार्थनगर) को अपनी अनुमति प्रस्तुत की गई है। जिसे कलेक्टर, सिद्धार्थनगर द्वारा दिनांक ३० मार्च, २०२२ को अनुमोदित किया गया है।

३-सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश इस प्रकार है-

सेक्टर फॉर इण्डियन बाम्बू निरोल एण्ड टेक्नालॉजी (सीबार्ट) वसुन्धरा, नाजिगाबाद द्वारा भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभावों एवं उससे होने वाले दुष्प्रभावों का अभिज्ञान कर इन प्रभावों को कम से कम करने का सुझाव देने के आशय से सामाजिक समाघात अध्ययन/प्रबन्धन अन्वेषण तैयार किया गया है। अध्ययन गति में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों से सामाजिक के आधार पर सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति ज्ञात करने का प्रयास किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्वेषित ग्रामों के सम्बन्ध में विभिन्न स्तरों यथा ग्राम पंचायत तहसील स्तर से आंकड़े प्राप्त किये गये हैं। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण से सम्बन्धित विभिन्न हितधारकों से भी विचार विमर्श कर वांछित जानकारी प्राप्त कर सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन पूर्ण किया गया है।

परियोजना से प्रभावित ग्राम में प्रभावित कृषकों द्वारा मुख्य समस्याओं कृषि भूमि के क्षेत्रफल में कमी आने के कारण आजीविका के अभाव में हास, कृषिगत मजदूरी में कमी, जलमाल/सुविधाएँ में कमी, प्रदूषण में वृद्धि बताई गई, वहीं अधिकतर कृषकों द्वारा नई रेल लाइन के निर्माण से आवागमन में सुविधा माल दुलाई में सुविधा तथा रेलवे स्टेशन के निर्माण से व्यापार एवं रोजगार के सृजन होने की बात कही गई है।

इस परियोजना के फलस्वरूप प्रभावित ग्रामों के कृषि योग्य क्षेत्रफल में कमी आना स्वाभाविक है किन्तु प्रभावित कृषकों को भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के नियमों के अनुसार प्रतिकर मिलने की स्थिति में प्राप्त धनराशि से अवशेष जोत का उन्नयन, रेल निर्माण से आवागमन, यातायात में सुगमता, कृषि उत्पाद हेतु विस्तृत बाजार तक पहुंच, कृषि उत्पादों को उचित मूल्य पर बेचने के समय की सुविधा, वैकल्पिक रोजगार के साधनों में विकास, बेहतर आवास के निर्माण, परिवहन के साधनों का विकास होना सम्भावी है, आवि से किसान लाभान्वित होंगे जिससे कृषि जोत में आई कमी को पूर्ण किया जा सकता है। परियोजना ग्राम को सम्पूर्ण अथवा अधिकांश भाग को प्रभावित नहीं कर रही है। इस परियोजना से कोई मुख्य आबादी प्रभावित नहीं हो रही है। इस क्षेत्र में नई रेल लाइन के निर्माण से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। जैसे परिवहन, होटल, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, सड़क, विद्युत आदि की सुविधाएँ प्राप्त होंगी। यह भी निश्चित रूप से संभावित है कि नई रेल लाइन परियोजना के संचालन के परिणाम स्वरूप क्षेत्र के लोगों को सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र में वृद्धि होगी।

अतः इस परियोजना से संभावित लाभ सामाजिक एवं प्रतिकूल सामाजिक समुदायों की तुलना में कहीं अधिक है। परियोजना के लिये आवश्यक कुल भूमि को सामेख प्रयुक्त अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि अत्यन्त कम है।

अस्तु बहुभाषीय विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मति से बहराइच, खलीलाबाद बीछनी नई रेल लाइन परियोजना के निमित्त भूमि अर्जन कर सामाजिक समुदाय निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समुदाय प्रबन्धन योजना से सहमत होते हुए आवश्यक भूमि का अर्जन किये जाने की संरक्षिति गई है।

4-भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।

5-अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सक्षम सहमति देते हैं -

अनुसूची

क्र० सं०	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6	7
						हेक्टर
1	सिद्धार्थनगर	बोंसी	बोंसी पूर्ण	सिंहोखा	1	0.0910374
2					20	0.001
3					11	0.055
4					12	0.1043853
5					13	0.2538218
6					14	0.1026341
7					15	0.008
8					8	0.2608367
9					33	0.0011676
10					29	0.1039846
11					32	0.0685177
12					30	0.0458084

1	2	3	4	5	6	7
						हेक्टेयर
13	सिद्धार्थनगर	बौली	बौली पुरब	सिंघोखा	41	0.034089
14					42	0.2312417
15					43	0.0186789
16					44	0.0107347
17					45	0.001684
18					46	0.0446543
19					47	0.0827404
20					48	0.2306509
21					49	0.1181464
22					50	0.0788944
23					51	0.0611857
24					52	0.0249368
25					53	0.0821617
26					54	0.0884612
27					55	0.1445501
28					56	0.203256
29					57	0.1018958
30					58	0.0680303
योग						2.5946858

6—अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम चढाये जाने के लिये तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिये सम्पत्तीकरण खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियाएँ करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश दत्त हैं।

7—अधिनियम की धारा 13 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिन के अन्तर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8—अधिनियम की धारा 11(4) के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की दिधि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर को पूर्व अनुमोदन के बिना प्राथमिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का संयवहार यथा विक्रय/तय या उस भूमि में कोई मार स्थापना नहीं कर सकता है।

टिप्पणी :—उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

(20) असाह्य
जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर।

NOTIFICATION

June 27, 2022

[Under sub-section (1) of section 11 of the act] preliminary notification

No. 4081(I)/VILL.S.L.A.O.-Siddharthnagar/Notification/2022-23--Under sub-section (1) of Section-11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, Whereas the Government of Uttar Pradesh/Collector (for the purpose of the appropriate Government) is satisfied that a total of 2.5946858 hectare of land is required in the Village-Singhorva, Pargana-Bansai Purab, Tehsil-Bansai, District-Siddharthnagar is required for public purpose namely project Balraich-

Khalilabad New B. G. Rail Line through Deputy Chief Engineer, General/Construction/Survey, North East Railway, Gorakhpur Mandal, Gorakhpur.

2-Social Impact Assessment study was carried out by the State Social Impact Assessment Agency and submits its recommendations to the Appropriate Government (Collector Siddhartnagar) which has approved its recommendation on dated March 30, 2022.

3-The summary of the Social Impact Assessment Report is as follows :-

Center for Indian Bamboo Resource and Technology, Varanbhari Ghazipur has been done social impact assessment study with the intention of identifying the impacts on the social economic and cultural status of the families affected by land acquisition and the impacts due to them and suggest ways to minimize these impacts. In the study method, an attempt has been made to find out the socio-economic and cultural status on the basis of interviews of families affected by land acquisition. Apart from this, data has been obtained in respect of the affected villages from different levels like Gram Panchayat, Tehsil level. Apart from this, also after consulting various stakeholders related to the construction of the project, the study of social impact assessment has been completed after obtaining the desired information.

In the village affected by the project, the main problems faced by the affected farmers are the loss in the source of livelihood due to the reduction in the area of agricultural land, reduction in agricultural wages, reduction in pasture/hay, increase in pollution. Where as farmers believe that due to construction of rail line and station there will be convenience in traffic, convenience in goods transportation and has been said to generate business and employment.

As a result of this project, it is natural to reduce the cultivable area of the affected villages, but if the affected farmers get proper compensation according to rules of Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, upgradation of the remaining holdings from the amount received, interested farmers will be benefited by rail construction, ease of transport, access to wide market for agricultural products, facility of selection to sell agricultural products at reasonable prices, etc. The project is not affecting the whole or most part of village. No core population is being affected by this project.

By the construction of new railway line in this area, people will get various types of employment, opportunities directly and indirectly, like transportation, hotel, accommodation, education, health, entertainment, road, electricity etc. facilities will be available. It is also definitely possible that as a result of the operation of the new rail line project, the people of the area will grow socially and economically.

Therefore, the potential benefit from this project is much higher than the social cost and adverse social impacts. The land proposed for the acquisition in question is very less relative to the total land required for the project.

However multi-disciplinary expert group unanimously recommends acquisition of necessary land by agreeing with social impact assessment report on land acquisition for Bahraich-Khalilabad BG new rail line project.

4-No families are likely to be displaced due to land acquisition.

5-Therefore the Governor is pleased to notify for general information that the land mentioned in the schedule below is needed for public purpose.

SCHEDULE

Sl. no.	District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6	7
						<i>Hectares</i>
1	Siddharthnagar	Beansi	Beansi Parab	Singharwa	1	0.0910374
2	Do.	Do.	Do.	Do.	20	0.001
3	Do.	Do.	Do.	Do.	11	0.055
4	Do.	Do.	Do.	Do.	12	0.1043853
5	Do.	Do.	Do.	Do.	13	0.2538218
6	Do.	Do.	Do.	Do.	14	0.1025341
7	Do.	Do.	Do.	Do.	15	0.009
8	Do.	Do.	Do.	Do.	2	0.2508967
9	Do.	Do.	Do.	Do.	33	0.0311878
10	Do.	Do.	Do.	Do.	29	0.1030845
11	Do.	Do.	Do.	Do.	32	0.0585177
12	Do.	Do.	Do.	Do.	30	0.0458034
13	Do.	Do.	Do.	Do.	41	0.0340889
14	Do.	Do.	Do.	Do.	42	0.2312417
15	Do.	Do.	Do.	Do.	53	0.0100739
16	Do.	Do.	Do.	Do.	54	0.0107347
17	Do.	Do.	Do.	Do.	55	0.001684
18	Do.	Do.	Do.	Do.	44	0.0446543
19	Do.	Do.	Do.	Do.	45	0.0327404
20	Do.	Do.	Do.	Do.	48	0.2308809
21	Do.	Do.	Do.	Do.	57	0.1181484
22	Do.	Do.	Do.	Do.	58	0.0768844
23	Do.	Do.	Do.	Do.	60	0.0811857
24	Do.	Do.	Do.	Do.	61	0.0240398
25	Do.	Do.	Do.	Do.	97	0.0321617
26	Do.	Do.	Do.	Do.	63	0.0384812
27	Do.	Do.	Do.	Do.	64	0.1445501
28	Do.	Do.	Do.	Do.	68	0.203256
29	Do.	Do.	Do.	Do.	66	0.1010555
30	Do.	Do.	Do.	Do.	67	0.0580203
Total ..						2.5946858

6—The Governor is also pleased to authorise the Collector for the purpose of the land acquisition to take necessary steps to enter upon and survey of land, take levels of any land, dig or sub soil into the sub-soil and do all the acts required for the proper execution of work as provided and specified under section 12 of the Act.

7 Under section-5 of the Act any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification make an objection to the acquisition of land in the locality in writing to the Collector.

8—Under section-114 of the Act, no person shall make any disposition or create any disposition of the land or sale/purchase specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land from the date of publication of such notification till such time as the proceedings of land acquisition is completed, without prior approval of the Collector.

NOTE: A plan of land may be inspected in the office of the Collector for the purpose of acquisition.

Y. M. KHILJE
Collector, Siddharthnagar

27 मूल, 2022 ई०

सं० 6082(1) आर.वि०पू०अ०अण सि०नगर अधिसू० 2022-23-भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्वासस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 10 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार कलेक्टर (सिद्धार्थनगर) के आदेशों के अन्तर्गत है। कि यह मुख्य अभियंता कन्सल्टेशन जनरल तथा ईस्ट रेलवे गोरखपुर के माध्यम से समन्वयित प्रयोजन बरखाइय खलीलाबाद बी०पी० रेल लाइन परियोजना हेतु जनपद सिद्धार्थनगर तहसील बोसी परगना बोसी पुरम ग्राम कमीटी में एकता 3744 हे० भूमि की आवश्यकता है।

2-राज्य सामाजिक समाघात निवारण एजेंसी द्वारा सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन किया गया है तथा समुचित सरकार (कलेक्टर सिद्धार्थनगर) को अपनी अनुमति प्रस्तुत की गई है। जिसे कलेक्टर सिद्धार्थनगर द्वारा दिनांक 20 मार्च 2022 को अनुमोदित किया गया है।

3- सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश इस प्रकार है।

सेक्टर फॉर इम्प्रूवमेंट बाबू रिसोर्स एण्ड टेक्नाजीजी (सॉल्यूट) वस्तु-चरा बाजियाबाद द्वारा भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों की सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति पर पहले वाले प्रभाव एवं उससे होने वाले दुष्प्रभावों का अभिज्ञान कर इन प्रभावों को कम से कम करने का सुझाव देने के आशय से सामाजिक समाघात अध्ययन प्रबन्धन आख्या तैयार किया गया है। अध्ययन पद्धति में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों से साक्षात्कार के आधार पर सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति ज्ञान करने का प्रयास किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रभावित ग्रामों के सम्बन्ध में विभिन्न स्तरों तथा ग्राम पंचायत तहसील स्तर से आकड़े प्राप्त किये गये हैं। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण से सम्भावित विभिन्न हितधारकों से भी विचार विमर्श कर संबंधित जानकारी प्राप्त कर सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन पूर्ण किया गया है।

परियोजना से प्रभावित ग्राम में प्रभावित कुषकों द्वारा मुख्य समस्याओं कृषि भूमि के क्षेत्रफल में कमी आने के कारण आर्थिकता के मोल में हास कृषिगत पजदूरी में कमी चारागाह खालिखन में कमी, प्रदूषण में वृद्धि बताई गई वहीं अधिकतर कुषकों द्वारा नई रेल लाइन के निर्माण से आवागमन में सुविधा प्राप्त हुआई में सुविधा तथा रेलवे स्टेशन के निर्माण से व्यापार एवं रोजगार के सृजन होने की बात कही गई है।

इस परियोजना के फलस्वरूप प्रभावित ग्रामों के कृषि योग्य क्षेत्रफल में कमी आना स्वाभाविक है किन्तु प्रभावित कुषकों को भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्वासस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की नियमों को अनुसार प्रतिकर मिलने की स्थिति में प्राप्त मनरंगी से खसरोब प्लॉट का उपयोग रेल निर्माण से आवागमन यातायात में सुगमता, कृषि उत्पाद हेतु विस्तृत बाजार तक पहुंच कृषि उत्पादों को उचित मूल्य पर बेचने के समय की सुविधा वैकल्पिक रोजगार के सन्तानों में विज्ञान बेहतर आवास के निर्माण परियोजना के सन्तानों का विकास होना लाभकारी है। अर्थात् से किसान लाभान्वित होंगे जिससे कृषि क्षेत्र में आई कमी को पूर्ण किया जा सकता है। परियोजना ग्राम को सम्पूर्ण अथवा अधिकांश मात्र को प्रभावित नहीं कर रही है। इस परियोजना से कोई मुख्य आबादी प्रभावित नहीं हो रही है। इस क्षेत्र में नई रेल लाइन के निर्माण से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को विभिन्न प्रकार

के रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे जैसे परिगहन झोटल आवास शिक्षा स्वास्थ्य मनोरंजन सड़क विद्युत आदि की सुविधायें प्राप्त होंगी यह भी निर्विवाद रूप से संभावित है कि यह रेल लाइन परियोजना के संचालन के परिणाम स्वरूप क्षेत्र को लोगों को सामाजिक आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ होगी

अतः इस परियोजना से संभावित लाभ सामाजिक एवं प्रतिवृत्त सामाजिक सम्भावनाओं की तुलना में कहीं अधिक है परियोजना के लिये आवश्यक कुल भूमि को सापेक्ष प्रत्येक अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि अत्यन्त कम है

अस्तु बहुतांशीय विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मति से बाराबंकी खलीलाबाद बीछली नई रेल लाइन परियोजना के विभिन्न भूमि अर्जन कर सामाजिक समायात निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समायात प्रबन्धन योजना से सहमत होते हुए आवश्यक भूमि का अर्जन किये जाने की संसृति की गई है

4-भूमि अर्जन के कारण कोई परितान विस्मायित नहीं हो रहा है

5-अतः राज्यपाल सांजजनिक प्रगोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि का सामान्य सृषना हेतु अधिसूचित करने के लिये सत्तर्ष सत्तमति देते हैं

अनुसूची

क्र० सं०	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल
	2	3	4	5	6	7
						हेक्टेयर
1	सिद्धार्थनगर	बीसी	बीसी पुरा	बीजी	128	1.066
2					117	0.124
3					115	0.011
4					148	0.280
5					158	0.085
6					164	0.084
7					161	0.086
8					162	0.066
9					161	0.079
10					160	0.121
11					158	0.144
12					157	0.045
13					156	0.072
14					201	0.011
15					200	0.614
16					199	0.081
17					185	0.072
18					188	0.043
					योग	3.744

6-अधिनियम की धारा 2 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविष्टानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोग हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिये तथा भूमि का सौक्षण किसी भूमि के लिये सम्पत्तीकरण खुलाह करने तथा काम के समुचित कियाचरण हेतु सभी आवश्यक क्रियाएँ करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

१-इतिहास की शर १ के अनुसार सड़ की जाकि जिसका हिा भुति व निर्दिष्ट है अधिसूचना के प्रकाशन के ३० दिन के अन्दर अपने बीच में चुनें जाकि कप के शेरुव निशिन के से कनेक्टर की जायति बना कर भवता है

[illegible]

निष्पत्ति - कक्षा समिति का कार्य, पीठ पर कक्षा अध्यापकों के कार्य-समय में देखा जा सकता है।

403 05942

1993年12月

WHAT IS

1997

TABLE 1. *Mean values of the variables measured in the 1000 m and 2000 m races*

No. 2022/147 - S.S.L.A.O. - Sidharthnagar/Notifications/2022-23 under sub-section of Section 17 of the Right to air compensation and transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2017 Whereas the Government of Tamil Pradesh collector for the purpose of the appropriate government is satisfied that a total of 74 hectare of land is required in the Village-Gayabadi, Pargana-Banoni, Parish-Tatnil-Banoni District-Sidharthnagar is required for public purpose namely project Banarath-Khalilabad New B-7 Rail line through Deputy Chief Engineer General construction Survey North East Railway Gorakhpur Mandal, Gorakhpur

Social Impact Assessment study was carried out by the State Social Impact Assessment Agency and submit its recommendations to the Appropriate Government - viz. Dr. N. Chandrababu Naidu, which has approved its recommendation on dated March 11, 2011.

The summary of the Socio-Economic Adjustment Report is as follows:

order for Indian Habitat Movement and Ecology researchers, research has been done on the impact assessment study with the intention of identifying the impacts on the social economic and cultural status of the families affected by land acquisition and the impacts due to them and suggest ways to minimize these impacts. In the study method, an attempt has been made to find out the socio-economic and cultural status on the basis of members of families affected by land acquisition. Apart from this, data has been obtained in respect of the affected villages from different levels like Gram Panchayat, Tehsil level. Apart from this, a so after consulting various stakeholders related to the construction of the project, the study of social impact assessment has been conducted after obtaining the desired information.

In the village affected by the project, the main problems faced by the affected farmers are the loss in the source of livelihood due to the reduction in the area of agricultural land, reduction in agricultural income, reduction in pasture lands, increase in pollution. Where as farmers believes that due to construction of rail line and station there will be convenience in traffic, convenience in goods transportation and has been used to generate business and employment.

As a result of this project, it is natural to reduce the labor wage area of the affected villages but if the affected farmers get proper compensation in according to their right to fair compensation and compensation in Rehabilitation and Resettlement Act 2017 upgradation of the remaining buildings from the amount received. Displaced Farmers will be benefited by rail construction, ease of transport, access to wide market for agricultural products, facility of selection to sell agricultural products at reasonable prices, etc.

be proved is not affecting the whole or more part of village. No cow population is being affected by this.

By the construction of new railway line in this area, people will get various types of employment opportunities directly and indirectly like transportation, hotel, accommodation, education, health, entertainment, road, electricity etc. Facilities will be available. It is also definitely possible that as a result of the operation of the new rail line project, the people of the area will grow socially and economically.

Therefore, the potential benefit from this project is much higher than the social cost and adverse social impacts. The land proposed for the acquisition in question is very less relative to the total land required for the project.

However, multi-disciplinary expert group unanimously recommends acquisition of necessary land by agreeing with social impact assessment report on land acquisition for Bahraich-Kishanganj BG new rail line project.

4- No families are likely to be displaced due to land acquisition.

5- Therefore, the Governor is pleased to notify for general information that the land mentioned in the schedule below is needed for public purpose.

SCHEDULE

Sl. no.	Distric	Block	Pargana	Village	Plot no.	Area to be acquired
	2	3	4	5	6	7
						Hectares
	Siddharthnagar	Kaushal	Banar Parg	Baghmuli	29	880
1	Do.	Do.	Do.	Do.	17	0.128
	Do.	Do.	Do.	Do.	18	0.07
4	Do.	Do.	Do.	Do.	49	0.280
5	Do.	Do.	Do.	Do.	188	0.085
6	Do.	Do.	Do.	Do.	184	0.064
	Do.	Do.	Do.	Do.	183	0.088
8	Do.	Do.	Do.	Do.	182	0.085
9	Do.	Do.	Do.	Do.	181	0.078
10	Do.	Do.	Do.	Do.	180	0.127
	Do.	Do.	Do.	Do.	58	0.144
12	Do.	Do.	Do.	Do.	151	0.086
13	Do.	Do.	Do.	Do.	156	0.072
14	Do.	Do.	Do.	Do.	291	0.072
15	Do.	Do.	Do.	Do.	290	0.074
16	Do.	Do.	Do.	Do.	199	0.061
17	Do.	Do.	Do.	Do.	198	0.072
18	Do.	Do.	Do.	Do.	199	0.083
Total						3.744

6- The Governor is also pleased to authorize the Collector for the purpose of the land acquisition to take necessary steps to enter upon and survey of land, take levels of any land, dig or sub soil into the sub-soil and do all the acts required for the proper execution of work as provided and specified under section 2 of the Act.

के राजगार के अवसर प्राप्त होंगे जैसे परिवहन डोटल, आवास शिक्षा स्वास्थ्य मनोरंजन सड़क विद्युत आदि की सुविधायें प्राप्त होंगी यह भी निश्चित रूप से संभावित है कि नई रेल लाइन परियोजना के संचालन के परिणाम स्वरूप क्षेत्र के लोगों के सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र में वृद्धि होगी

अतः इस परियोजना से संभावित लाभ सामाजिक व्यर्थ एवं प्रतिफल सामाजिक समुदायों की तुलना में ऊड़ी अधिक है-परियोजना के लिये आवश्यक कुल भूमि के सागड़ प्रत्यक्ष अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि अत्यन्त कम है

अतः बहुशास्त्रीय विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मति से सहराइच, खलीलाबाव बीछजी0 नई रेल लाइन परियोजना को निम्नित भूमि अर्जन कर सामाजिक समुदाय निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समुदाय प्रबंधन योजना से सहमत होते हुये आवश्यक भूमि का अर्जन किये जाने की संस्तुति गई है

4-भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है

5-अतः राज्यपाल सांप्रतिक प्रयासन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सृचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सर्व सहमति देते हैं

अनुसूची

क्र० सं०	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6	7
हेमटगर						
1	शिवदार्शनगर	बीसी	बीसी पुरव	सकल	28	0.0353943
2					8	0.0093112
3					9	0.0138323
4					10	0.0118308
5					1	0.0222814
6					3	0.0218997
7					7	0.01106571
8					12	0.0155548
9					16	0.2230417
10						0.4342521
11					25	0.0541046
12					24	0.0015578
13					18	0.0841958
14					167	0.2340699
15					196	0.1512598
16					87	0.200284
17					63	0.004554
18					85	0.028
19					83	0.0413128
20					204	0.0293792
21					206	0.0405663

	2	3	4	5	6	7
						<u>कुल</u>
22	सिद्धार्थनगर	बीसी	बीसी पुरुष	सकल	205	0.0481687
23					233	0.0878191
24					234	0.15878
25					235	0.1692176
26					236	0.0883390
27					239	0.3326797
28					87	0.0073184
29					237	0.141207
				योग		2.752638

6- अधिनियम की धारा 2 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोगन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिये तथा भूमि का सर्वेक्षण किसी भूमि के लिये समतलीकरण खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियाएँ करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

7- अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत कांड़ भी व्यक्ति जिसका रेल भूमि में निहित हो अधिग्रहण के प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध निश्चित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8- अधिनियम की धारा 11(4) के अन्तर्गत कांड़ भी व्यक्ति अधिग्रहण के प्रकाशन की तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर को पूर्ण अनुमोदन के बिना प्राथमिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का संयवहार यथा विक्रय / कय या उस भूमि में कांड़ मार उपपन्न नहीं कर सकता है।

टिप्पणी—उक्त भूमि का स्थलीय नक्सा कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

(स) अरुण
जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर

NOTIFICATION

June 27, 2022

[Under sub-section of section 1 of the act preliminary notification

No. 6003(1)/VII/85.L.A.U. Siddharthnagar/Notification/2022-23. Under sub-section of Section- of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, Whereas the Government of Uttar Pradesh/ collector 'On the purpose of the appropriate Government' is satisfied that a total of 2.752638 hectares of land is required in the Village-Sakra, Pargana-Baansa Parab Tehsil-Baansa, District-Siddharthnagar is required for public purpose namely project Babraich-Khalilabad New B. Q. Rail Line through Deputy Chief Engineer, General Construction Survey North East Railway Gorakhpur Mandal, Gorakhpur.

2.- Social Impact Assessment study was carried out by the State Social Impact Assessment Agency and submitted its recommendations to the Appropriate Government Collector Siddharthnagar which has approved its recommendation on dated March 20 2022.

- The summary of the Social Impact Assessment Report is as follows:-

Center for Indian Bamboo Resources and Technology, Varanbhari Chaurabhad has been done social impact assessment study with the intention of identifying the impacts on the social economic and cultural status of the families affected by land acquisition and the impacts due to them and suggest ways to minimize these impacts. In the study method, an attempt has been made to find out the socio-economic and cultural

status on the basis of interviews of families affected by land acquisition. Apart from this, data has been obtained in respect of the affected villages from different levels like Gram Panchayat, Tehsil level. Apart from this, also after consulting various stakeholders related to the construction of the project the study of social impact assessment has been completed after obtaining the desired information.

In the village affected by the project, the main problems faced by the affected farmers are the loss of the source of livelihood due to the reduction in the area of agricultural land, reduction in agricultural wages, reduction in pasture/homestead, increase in pollution. Whereas farmers believe that due to construction of rail line and station there will be convenience in traffic, convenience in goods transportation and has been said to generate business and employment.

As a result of this project, it is natural to reduce the cultivable area of the affected villages, but if the affected farmers get proper compensation according to rules of Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013 upgradation of the remaining holdings from the amount received, interested farmers will be benefited by rail construction, ease of transport, access to wide market for agricultural products, facility of selection to sell agricultural products at reasonable prices, etc. The project is not affecting the whole or most part of village. No core population is being affected by this project.

By the construction of new railway line in this area, people will get various types of employment opportunities directly and indirectly, like transportation, hotel, accommodation, education, health, entertainment, road, electricity etc. facilities will be available. It is also definitely possible that as a result of the operation of the new rail line project, the people of the area will grow socially and economically.

Therefore, the potential benefit from this project is much higher than the social cost and adverse social impacts. The land proposed for the acquisition in question is very less relative to the total land required for the project.

However multi-disciplinary expert group unanimously recommends acquisition of necessary land by agreeing with social impact assessment report on land acquisition for Bahraich-Khalilabad BG's new rail line project.

4—No families are likely to be displaced due to land acquisition

— therefore the Government is pleased to notify for general information that the land mentioned in the schedule below is needed for public purpose.

SCHEDULE

Sl no.	Distric	Tehsil	Pargana	Village	Plot no	Area to be acquired
	2	3	4	5	6	7
						Hectares
	Siddharthnagar	Bahraich	Bahraich Pargana	Sakur	28	0.0087843
1	Do	Do	Do	Do	8	0.0083132
	Do	Do	Do	Do	9	0.0138323
4	Do	Do	Do	Do	10	0.0118938
5	Do	Do	Do	Do	1	0.022814
6	Do	Do	Do	Do	3	0.0216997
	Do	Do	Do	Do	7	0.01306571
8	Do	Do	Do	Do	2	0.0188849
9	Do	Do	Do	Do	16	0.2280417
0	Do	Do	Do	Do	17	0.4342821
	Do	Do	Do	Do	25	0.0641048

	2	3	4	5	6	7
						<i>Hezare</i>
12	Siddharthnagar	Baunat	Baunat Parab	Sakra	24	0.0016578
3	Do	Do	Do.	Do	18	0.0641959
4	Do	Do	Do.	Do	107	0.2900899
5	Do	Do	Do.	Do	108	0.1612869
6	Do	Do	Do.	Do.	87	0.200284
7	Do	Do	Do.	Do.	88	0.004554
8	Do	Do	Do	Do.	85	0.028
9	Do	Do	Do.	Do.	83	0.0413129
20	Do	Do	Do	Do.	204	0.0293792
2	Do	Do	Do.	Do.	206	0.0405863
22	Do	Do	Do	Do.	206	0.0491887
23	Do	Do	Do.	Do.	233	0.0678191
24	Do	Do	Do.	Do.	234	0.19978
25	Do	Do	Do.	Do.	235	0.0692178
26	Do	Do	Do.	Do.	236	0.0883355
27	Do	Do	Do.	Do	239	0.2925797
28	Do	Do	Do.	Do.	81	0.0573184
29	Do	Do	Do.	Do	237	0.041207
Total						2.752638

6. The Governor is also pleased to authorize the Collector for the purpose of the land acquisition to take necessary steps to enter upon and survey of land, take levels of any land, dig or sub soil into the sub-soil and do all the acts required for the proper execution of work as provided and specified under section 2 of the Act.

7. Under section- 5 of the Act, any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification, make an objection to the acquisition of land in the locality in writing to the Collector.

8. Under section-11 (4) of the Act, no person shall make any transaction or cause any transaction of the land i.e. sale/purchase, specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land from the date of publication of such notification till such time as the proceedings of land acquisition is completed, without prior approval of the Collector.

NOTE: A plan of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

(Sd. DULGULLE)
Collector, Siddharthnagar

27 जून 2022 ई0

सं० 0004(j) आच-वि०/पु०/अ०/३३३३ सिद्धनगर अधिसूत्र 2022-23-पुमि अर्जन पुनर्वसन और पुनर्व्यवस्थापन में सहित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 की उपधारा 1 के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के उद्देश्य हेतु) राम है कि यह मुख्य अभियंता कन्सट्रक्शन जनरल नार्थ ईस्ट रेलवे गोरखपुर के माध्यम से सांकेतिक प्रयोजन बरगानुम खलीलाबाद बी०जी० रेस लाइन परियोजना हेतु कन्सट्रिक्ट सिद्धार्थनगर तहसील बीसी, गरगना बीसी पूर्व ग्राम खेसरही में रकबा 2.4374533 हे० भूमि की आवश्यकता है।

१- राज्य सामाजिक समाचार निर्धारण एजेंसी द्वारा सामाजिक समाचार निर्धारण अध्ययन किया गया है तथा सम्पत्ति सरकार (कलेक्टर सिद्धार्थनगर) को अपनी अनुमति प्रस्तुत की गई है जिसे कलेक्टर सिद्धार्थनगर द्वारा दिनांक 30 मार्च, 2022 को अनुमोदित किया गया है।

3- सामाजिक समाचार निर्धारण रिपोर्ट का सारांश इस प्रकार है

सेक्टर फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ़ रीसोर्स एण्ड टेक्नालॉजी (सीआरए) कसुभरा, बाजियाबाग द्वारा भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों की सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति पर पढ़ने वाले प्रभावों एवं उससे होने वाले बुझभावों का अभिज्ञान कर इन प्रभावों को कम से कम करने का सुझाव देने के आशय से सामाजिक समाचार अध्ययन / प्रबन्धन आख्या तैयार किया गया है। अध्ययन पद्धति में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों से साक्षात्कार के आधार पर सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति काय करने का प्रयास किया गया है। इनके अतिरिक्त प्रभावित ग्रामों के सम्बन्ध में विभिन्न स्तरों तथा ग्राम पंचायत तहसील स्तर से आंकड़े प्राप्त किये गये हैं। इनके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण से सम्बन्धित विभिन्न हितधारकों से भी विचार विमर्श कर उचित जानकारी प्राप्त कर सामाजिक समाचार निर्धारण अध्ययन पूर्ण किया गया है।

परियोजना से प्रभावित ग्राम में प्रभावित कुषकों द्वारा मुख्य समस्याओं कृषि भूमि के अन्वयन में कमी आने के कारण आजीविका के श्रोत में हास कृषिगत मजदूरी में कमी आनागाढ़ खलिहान में कमी प्रदूषण में वृद्धि बताई गई वहीं अधिकतर कुषकों द्वारा नई रेल लाइन के निर्माण से आवागमन में सुविधा माल डुल्ड में सुविधा तथा रेलवे स्टेशन के निर्माण से व्यापार एवं शोपिंग को सुजग होने की बात कही गई है।

इस परियोजना के फलस्वरूप प्रभावित ग्रामों के कृषि योग्य क्षेत्रफल में कमी आना सामाजिक है किन्तु प्रभावित कुषकों को भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्वासस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के नियमों के अनुसार प्रतिकार मिलने की स्थिति में प्राप्त मनराशि से अवसोय श्रोत का प्रत्यक्ष रेल निर्माण से आवागमन, यातायात में सुगमता, कृषि उत्पाद हेतु विस्तृत बाजार तक पहुच, कुषों उत्पादों के उचित मूल्य पर बेचने के बचन की सुविधा बेकल्पिक संज्ञाकार के सञ्चनों में विकास बेहतर आवास के निर्माण परिवहन के साधनों का विकास होना सम्भाव्य है आदि से किसान लाभान्वित होंगे जिससे कृषि जोर में आई कमी को पूर्ण किया जा सकता है परियोजना ग्राम के सम्पूर्ण अथवा अधिकांश भाग को प्रभावित नहीं कर रही है। इस परियोजना से कोई मुख्य आबादी प्रभावित नहीं हो रही है। इस क्षेत्र में नई रेल लाइन के निर्माण से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को विभिन्न प्रकार के शोपिंग के अवसर प्राप्त होंगे जैसे-गर्बिचन होटल आवास शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन सड़क विद्युत आदि की सुविधाये प्राप्त होंगी वह भी विभिन्न रूप से सम्भावित है कि नई रेल लाइन परियोजना के सञ्चालन के परिणाम स्वरूप क्षेत्र के लोगों के सामाजिक आर्थिक क्षेत्र में वृद्धि होगी।

अतः इस परियोजना से सम्भावित लाभ सामाजिक खर्च एवं प्रतिकूल सामाजिक सम्भावनों की तुलना में कहीं अधिक है। परियोजना के निचे आशयक कुल भूमि के सम्पत्ति प्रबन्धन अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि अत्यन्त कम है।

अख्य बहुराज्यीय विशेषज्ञ समुह द्वारा सर्वसम्पत्ति से बहराबच, खलीबाबाग बी0जी0 नई रेल लाइन परियोजना के निम्नित भूमि अर्जन पर सम्पत्ति सम्पत्ति निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक सम्पत्ति प्रबन्धन योजना से राज्यत होते हुये आशयक भूमि का अर्जन किये जाने की संस्तुति की गई है।

4-भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो सका है।

5-अतः सम्पत्ति सर्वजनिक प्रयाजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सञ्चन सहमति देते हैं।

अनुसूची

क्र. सं०	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गादा संख्या	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल
	2	3	4	5	6	7
						हेक्टर
1	सिद्धार्थनगर	बोली	बोली कूर	खेतखी	28	0.1286978
2					30	0.1207098
3					42	0.0472425
4					143	0.10
5					38	0.0194229
6					24	0.0410057
7					44	0.214037
8					145	0.1619908
9					217	0.1709041
10					237	0.1700336
11					222	0.02
12					238	0.0244338
13					231	0.0268436
14					250	0.0663227
15					215	0.003
16					212	0.0128341
17					240	0.1255063
18					24	0.1486508
19					245	0.7802378
20					283	0.1608703
					योग	2.4374898

6—अधिनियम की धारा 2 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयाजन हेतु आवश्यक कदम तयारे जाने के लिये तथा भूमि का सर्वेक्षण किसी भूमि के लिये सम्पत्तीकरण सुग्राह करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियाएँ करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर प्राप्तिपूर्त करने हेतु निर्देश देते हैं।

7—अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध निश्चित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है—

8—अधिनियम की धारा 11A के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का संव्यवहार यथा विक्रय/काय या लघु भूमि में कोई माप रखण नहीं कर सकता है

दिप्पणी—उक्त भूमि का स्थलीय नक्सा कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

(हस्ताक्षर)
जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर

SCHEDULE

Sl no	District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no	Area to be acquired
		१	२	३	४	५
	Sikharthar	Beansi	Beansi Parab	Khesraha	29	0.1285878
2	Do	Do	Do	Do	30	0.1207098
3	Do	Do	Do	Do	42	0.0472425
4	Do	Do	Do	Do	43	0.110
	Do	Do	Do	Do	138	0.0188221
6	Do	Do	Do	Do	44	0.0410857
7	Do	Do	Do	Do	44	0.214037
8	Do	Do	Do	Do	45	0.1619808
9	Do	Do	Do	Do	217	0.1709041
10	Do	Do	Do	Do	237	0.1700388
	Do	Do	Do	Do	222	0.012
11	Do	Do	Do	Do	238	0.0244335
12	Do	Do	Do	Do	231	0.0208435
13	Do	Do	Do	Do	225	0.0583277
14	Do	Do	Do	Do	215	0.003
15	Do	Do	Do	Do	212	0.012884
16	Do	Do	Do	Do	240	0.1265053
17	Do	Do	Do	Do	24	0.1498538
18	Do	Do	Do	Do	243	0.0802374
19	Do	Do	Do	Do	253	0.1808753
					Total	2.4374893

6. The Governor is also pleased to authorise the Collector for the purpose of the land acquisition to take necessary steps to enter upon and survey of land, take levels of any land, dig or sub soil into the sub-soil and do all the acts required for the proper execution of work as provided and specified under section 2 of the Act.

Under section-5 of the Act, any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification, make an objection to the acquisition of land in the locality in writing to the Collector.

8. Under section-11 (4) of the Act, no person shall make any transaction or cause any transaction of the land or sale/purchase, specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land

असु बहुशाखीय विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मति से बहराइच खलीलाबाद बीछजी0 नई रेल लाईन परियोजना के निम्नित भूमि अर्जन पर सार्वजनिक सभाघात निर्धारण रिपोर्ट एवं सार्वजनिक सभाघात प्रबन्धन योजना से सहमत होते हुये आवश्यक भूमि का अर्जन किये जाने की संस्तुति की गई है।

4-भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो सका है-

5-अतः राज्यापाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सहर्ष सहमति देते हैं।

अनुसूची

क्र० सं०	कानाबद	ताहसील	परगना	ग्राम	गाहा संख्या	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल
	2	3	4	5	6	7
						हेक्टर
	सिद्धार्थनगर	बोसी	बोसी पुरा	सवाडाड	157	0.0241 234
2					159	0.0503848
3					162	0.08831 16
4					165	0.0883728
5					169	0.0438359
6					167	0.053845
					168	0.052564
8					169	0.1838978
9					170	0.229848
10					171	0.2167113
11					172	0.4084514
12					173	0.2781024
13					174	0.1783354
14					175	0.1832994
15					176	0.2183236
16					177	0.1887908
17					178	0.4947573
18					183	0.018815
					योग	2.8508208

6-अधिनियम की धारा 2 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम तत्काले जाने के लिये तथा भूमि का सर्वेक्षण किसी भूमि के लिये सम्पत्तीकरण खुराई करने तथा काम के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियाएँ करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

सकता है-

यथा विक्रय कर या उध भूमि में काढ़ और उत्पन्न नहीं कर सकता है

‘80) अलग
जिलाधिकारी किन्नाभानगर

आ.स.सं. १०००/१०००

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

१०/१०/१०

However multi-disciplinary expert group unanimously recommends acquisition of necessary land by agreeing with social impact assessment report on land acquisition for Baharich-Khatilohad R/C new rail line project.

4—No families are likely to be displaced due to land acquisition.

— Therefore the Government is pleased to notify for general information that the land mentioned in the schedule below is needed for public purpose.

SCHEDULE

Sl No.	District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6	7
	Siddhartinagar	Beansi	Beansi Purab	Sawadul	57	0.0241724
1	Do	Do	Do	Do	159	0.0003846
2	Do	Do	Do	Do	163	0.0593116
3	Do	Do	Do	Do	166	0.0043728
4	Do	Do	Do	Do	168	0.0439936
5	Do	Do	Do	Do	167	0.033565
6	Do	Do	Do	Do	168	0.092564
7	Do	Do	Do	Do	169	0.1838679
8	Do	Do	Do	Do	170	0.2228846
9	Do	Do	Do	Do	71	0.2187113
10	Do	Do	Do	Do	72	0.4364514
11	Do	Do	Do	Do	173	0.2781024
12	Do	Do	Do	Do	174	0.1763354
13	Do	Do	Do	Do	175	0.1832894
14	Do	Do	Do	Do	176	0.2187235
15	Do	Do	Do	Do	77	0.1857909
16	Do	Do	Do	Do	178	0.4647577
17	Do	Do	Do	Do	169	0.018615
Total						2.9508209

6 The Governor is also pleased to authorize the Collector for the purpose of the land acquisition to take necessary steps to enter upon and survey of land, take levels of any land, dig or subvert into the sub-soil and do all the acts required for the proper execution of work as provided and specified under section 2 of the Act.

7—Under section-5 of the Act any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification, make an objection to the acquisition of land in the locality in writing to the Collector.

8—Under section-11(4) of the Act, no person shall make any transaction or cause any transaction of the land i.e. sale/purchase specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land from the date of publication of such notification till such time as the proceedings of land acquisition is completed, without prior approval of the Collector.

NOTE: A plan of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

(Sd. DESHBABLE
Collector, Siddhartinagar)

कार्यालय चक्रवर्ती आयुक्त उत्तर प्रदेश.

लखनऊ

09 मई, 2022

सं०-1563 / जी०-167 / 2021-22-उत्तर प्रदेश जिला चक्रवर्ती अधिनियम, 1953 (उपग्र0 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1788 / सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23 / (5), 1981-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1981 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील माटपारसानी परगना सलेमपुर मजली जनपद देवदिया के ग्राम कुम्हाचक तथा सोहनपुर में चक्रवर्ती क्रियायें समाप्त हो गयी हैं—

सं०-1554 / जी०-248 / 2021-22-उत्तर प्रदेश जिला चक्रवर्ती अधिनियम, 1953 (उपग्र0 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1788 / सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23 / (5), 1981-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1981 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना खुर्जा जनपद बुलन्द शहर के ग्राम इनायतपुर कर्फ मधुपुरा में चक्रवर्ती क्रियायें समाप्त हो गयी हैं

सं०-1555 / जी०-238 / 2019-20-उत्तर प्रदेश जिला चक्रवर्ती अधिनियम, 1953 (उपग्र0 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1788 / सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23 / (5), 1981-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1981 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना गोम्टा जनपद गोम्टा के ग्राम लखीमपुर में चक्रवर्ती क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1556 / जी०-172 / 2021-22-उत्तर प्रदेश जिला चक्रवर्ती अधिनियम, 1953 (उपग्र0 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1788 / सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23 / (5), 1981-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1981 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना आवना जनपद बरेली के ग्राम किर्वाणुर में चक्रवर्ती क्रियायें समाप्त हो गयी हैं

सं०-1557 / जी०-155 / 2021-22-उत्तर प्रदेश जिला चक्रवर्ती अधिनियम, 1953 (उपग्र0 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1788 / सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23 / (5), 1981-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1981 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना बिसवा जनपद सीतापुर के निम्नलिखित ग्रामों में चक्रवर्ती क्रियायें समाप्त हो गयी हैं

अनुसूची

क्र०	जनपद का नाम	तहसील परगना	ग्राम का नाम
2	3	4	
1	सीतापुर	बिरावा	1-खेवड़ा 2-मगवानपुर

मई 2022 ई०

सं०-1854 जी०-184 58-08-उत्तर प्रदेश जिला चक्रवर्ती अधिनियम, 1953 (उपग्र0 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1788 / सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23 / (5), 1981-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1981 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि

हस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील मीरतपुर परगना करारी जनपद कोशाम्बी के ग्राम खोरा में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1655/जी०-188/2021-22-उत्तर प्रदेश जौल चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-81-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1-1-5, 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील सातगंज परगना अरुण जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम सतपा में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1658/जी०-188ए/2021-22-उत्तर प्रदेश जौल चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-81-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23, 1/1-5, 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना सवर्ण जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम गोपालपुर में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1667/जी०-188/2021-22-उत्तर प्रदेश जौल चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-81-58, दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23, 1-1-5, 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना सवर्ण जनपद

प्रतापगढ़ के ग्राम सातगंजपुर में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1858/जी०-177/2021-22-उत्तर प्रदेश जौल चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-81-58, दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23, 1-1-5, 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील मीरतपुर परगना मिर्जापुर जनपद अम्बेडकरनगर के निम्नलिखित ग्रामों में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

अनुसूची

क्र०	जनपद का नाम	तहसील	परगना	ग्राम का नाम
2	3	4	5	
अम्बेडकरनगर	मीरतपुर	मिर्जापुर	1-बैला	2-पुरेतरवार

सं०-1859/जी०-228/2021-22-उत्तर प्रदेश जौल चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-81-58, दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23, 1-1-5, 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना विष्णु जनपद औरिया के ग्राम कुरा में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1860/जी०-328/58-87-उत्तर प्रदेश जौल चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-81-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23, 1-1-5, 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित

प्रयोक्तारों का प्रयोग करके मैं तपवीर प्रसार चक्रवर्ती
मंचों तक फैलाने परदेस संघर्षों में प्रभावित कराने है कि
इस विज्ञापन को सारकारी गण्ड में प्रकाशित होने को
दिनांक से तद्विषय विचारपूर्व प्रमाण प्रदान जनपद
चलनगण्ड के धाम परम्परागत में चक्रवर्ती किंगडो सम्पन्न
ही गयी है।

सं०-१८७ जी०-२२७ डा०-१२२ उत्तर प्रदेश जल
संयोजन अधिनियम १९३१ (१९३१) अधिनियम सं० ५, १९३४
[०] की धारा ५२ के अधीन सरकारी विज्ञापन सं०
१२४४ गी०-१८७-१-११-३४ दिनांक ०१ अप्रैल १९३४ तारीख
कासनारका सं० २५ (१९३४-३५) जी०-१८७-१
दिनांक ०५ अप्रैल १९३४ में किया गया प्रकाशन के अनुसार
अध्यापक १-२० अध्यापक १ के अधीन जवाबदाar प्रतिनिधित्व
अधीनस्थों का प्रयोग करने में समर्थ प्रशासक जलसंयोजन
संयोजन उत्तर प्रदेश (सदस्य विज्ञापित करण) कि
इस विज्ञापन के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तद्वर्ती व अगला इसनपुः जनपद अमरगढ़ के
आप जलसंयोजन १९३४ में जलसंयोजन अधिनियम
गयी है।

सं०-1982/जी०-18/2021-22-अक्षर प्रदेश जोत
यकबन्दी अधिनियम 1953 (1953 अधिविवम सं० 5, 1954
ई०) की धारा 5(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं०
1982/सी०एच०-1-81-88 दिनांक 07 अगस्त 1982 तथा
शासनादेश सं० 23/1(8) 1981, टी०सी०आ०.
दिनांक 08 अप्रैल, 1982 में किये गये प्रावधान के अनुसार
उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित
अधिकारों का प्रयोग करके श्री रणवीर प्रसाद यकबन्दी
संचालक छत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि
इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तत्काल बत्ती सदर पत्र न महुती विषम
अनपद बत्ती के ग्राम बकौली जफे तिनपुर तथा कोरक में
यकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी है

१३ १५ २०२२ ई

सं०-१६७३ जी०-३४७ २०७१-२२ नए प्रदेस के
बकवन्दी अधिनियम ६३ वि०२३ अधिनियम सं० ५ ६३
६० की धारा ६७ के अर्थ में सरकारी उद्देश्य संग्रह
१९८८ सौंपण्ड-१-११-५६ दिनांक ०१ जून १९८८ तथा
राजसादर सं० ५३ ५६ १९८८ ई० सी० आ०
दिनांक ०१ अप्रैल १९८८ में किए गए पत्रिका के अनुसार
अधारी १-६ अधारी १ की अर्थ में क्या प्रानिनिहित
अधिकारों का प्रयोग करते हैं समीक्ष प्रसाद बकवन्दी

समानक उत्तर प्रदेश एकादश दिवसीय करता है कि इस दिनांक से सरकार में पत्रों में प्रकाशित होने के दिनांक से तत्कालीन प्रमुख परगना निवासियों के प्रत्यक्ष से सामान्य फातम जर्न समायुक्त में प्रकाशित किंगों समाप्त हो गए हैं।

सं०-1884/बी०-151 2021-22—उत्तर प्रदेश जौत
क००-६ अतिरिक्त 1884 3000 अतिरिक्त स० २ 1884
१०) जी प० 3211 की अधीन सरकार की विज्ञापित सं०
1788 सी०एच०-१-३१/५८, दिनांक ०७ अगस्त 1968 तथा
शामलदेव सं० 23 (5) १९७१ टी०सी०आर० १
दिनांक ०७ अक्टूबर 1९७१ से किये गये प्राविधान के अनुसार
नस्बों के अन्तर्गत के अधीन सेवा अधीनस्थ
अधिकारों का प्रयोग करने में सम्पूर्ण प्रसाद बकायदी
संचालक उत्तर प्रदेश एम्प्लॉय दिज्ञायेत करता है कि
इस विज्ञापित के सरकार की गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तत्कालीन कार्यगुरु मरणा कृषी जम्पव
बकायदी को प्राप्त करता में बकायदी शिष्या समाप्त हो
गयी है।

सं०-1885/जी०-228 2021-22-सतार प्रदेश जी०
ककाबन्दी अधिनियम 1853 लागू अधिनियम सं० 5 1854
ई०। जी० नं० 571 के अधीन सतार की विज्ञप्ति सं०
1999 सी०एच०-1-84-88, विनांक 07 अगस्त, 1998 तथा
सामान्य सं० 23 15. ज०।सी०सी०आर० 1
दिनांक 01 अगस्त 1998 में जिले के जल विभाग के अनुसार
उपकरण का उपकरण के अधीन ग्राहक विभाग
अधिकारी का प्रवेश करके वे उपकरण पर व. ककाबन्दी
संचालक सतार प्रदेश एन०एच० विभागेत करता है कि
इस विज्ञप्ति के अन्तर्गत ग्राहक में प्रकटित होन के
दिनांक से तदन्तर्गत व परमाणु विद्युत जनपद अधिनियम के
अन्तर्गत उपकरण पर व ककाबन्दी विभाग में संचालक हो
गयी है।

सी०-१०९९ जी०-२२७ २०२१-२२-१८५५ प्र०३१ जी०
कम-बन्दी अधिनियम, १९५३ अधिनियम सं० ५, १९५४
ई०। की धारा ५२। के अधीन सरकारने विज्ञापित सं०
१०९९ सी०एन०-१-४-२५९ दिनांक ०७ अगस्त १९९९ तथा
सा०-१०९९ जी०-२२७ १८ १९९१ सी०एन०-१-४-२५९
दिनांक ०७ अगस्त १९९९ में किये गये प्रावधानों के अनुसार
उपकरणों के उपकरणों के अन्तर्गत यथा प्रतिनिधित्व
अधिकारों के ५५ कृषि में ए०पी० एन० ५५ कृषि-बन्दी
समाजिक उत्तरदायित्व ए०पी० एन० ५५ कृषि-बन्दी
इस विज्ञापित के सम्बन्धी मजदूरी में प्रयोजित होने के
दिनांक से लक्ष्मील व परगना विधान अनुपद अधिनियम के

ग्राम नगला टीका में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

20 सित्, 2022 ई०

सं०-1782/जी०-288९ 2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1782/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील भाठानवा परगना कसनपुर मगध जनपद गोरखपुर के ग्राम देवाचार बुगबुगईया तथा छतर हुवेली में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1793/जी०-298 2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1793/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील नगीना परगना बड़ापुर जनपद बिलौर के ग्राम झारका नगला में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1794/जी०-48९ 2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1794/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि

इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील ब फरगना निजामाबाद जनपद आजमगढ़ के ग्राम मुलमवपुर उर्फ नवाबबाद में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1795/जी०-354 2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1795/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील मुजफ्फरनगर परगना बघरा जनपद मुजफ्फरनगर के ग्राम नुनाखेरा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1796/जी०-158 2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1796/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील ब परगना नौगड जनपद सिद्धार्थनगर के ग्राम कान्हेकुसुम तथा उबरा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

07 जून 2022 ई०

सं०-1816/जी०-188 2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1816/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित

अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संघालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील जालगंज परगना सदर जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम कल्यानपुरकला में चक्रवर्ती क्रियार्थ समाप्त हो गयी है।

सं०-1917/जी०-247/2021-22- उत्तर प्रदेश जल चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (उपग्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-91-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्रावधान के अनुसार उपधारा 1-क) उपधारा 1 के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संघालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील फूलपुर परगना झुंसी जनपद प्रयागराज के ग्राम बिबैया में चक्रवर्ती क्रियार्थ समाप्त हो गयी है।

सं०-1918 जी०-20/2021-22- उत्तर प्रदेश जल चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (उपग्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-91-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्रावधान के अनुसार उपधारा 1-क) उपधारा 1 के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संघालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील जालगंज परगना कन्नित जनपद मिर्जापुर के ग्राम कथरहा तथा उपरीध में चक्रवर्ती क्रियार्थ समाप्त हो गयी है।

सं०-1924 जी०-155/2021-22- उत्तर प्रदेश जल चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (उपग्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-91-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्रावधान के अनुसार उपधारा 1-क) उपधारा 1 के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती

संघालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील प परगना बिसवा जनपद सीतापुर के निम्नलिखित ग्रामों में चक्रवर्ती क्रियार्थ समाप्त हो गयी है।

अनुसूची

क्र०	जनपद	तहसील	ग्राम का नाम
क्र०	नाम	परगना	
1	2	3	4
1	सीतापुर	बिसवा	1- शिवधाम 2- नसीरपुर अन्तपुर

सं०-1828 जी०-181/2021-22- उत्तर प्रदेश जल चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (उपग्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-91-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्रावधान के अनुसार उपधारा 1-क) उपधारा 1 के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संघालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील खजनी परगना बुधियापार जनपद गाँवजपुर के ग्राम बिबैया तथा बलभार में चक्रवर्ती क्रियार्थ समाप्त हो गयी है।

सं०-1928 जी०-247/2022-23- उत्तर प्रदेश जल चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (उपग्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-91-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्रावधान के अनुसार उपधारा 1-क) उपधारा 1 के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संघालक उत्तर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील फूलपुर परगना मिर्जापुर जनपद प्रयागराज के ग्राम पड़सी में चक्रवर्ती क्रियार्थ समाप्त हो गयी है।

सं०-1827 जी०-232/2021-22- उत्तर प्रदेश जल चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (उपग्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं०

१९८१/सीएच२३-१-११-५८ दिनांक ०१ अगस्त १९५८ तथा
१९५८/सीएच२३-१-११-५८ दिनांक २३ १-५-१९५८/सीएच२३-१-११-५८
दिनांक ०१ अगस्त, १९५८ में किये गये प्राविधान के अनुसार
चपराहा (१-५८) चपराहा (१-५८) के अधीन यथा प्रतिनिधित्व
अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती
सचालक उत्तर प्रदेश, एतावद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि
इस विज्ञप्ति को सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तहसील मगना परगना हस्तिनापुर जनपद मेरठ
के ग्राम रागनीला में चक्रवर्ती कियारे सुचारु हो गयी है।

सं०-१९२८ सी०-१८८/८८-रुहर प्रदेश फाँत
बकबन्दी अधिनियम १९६३ (१९६३) अधिनियम सं० ५, १९६३
ई०) की धारा ८२(१) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं०
१७८८ सी०एच०-१-७१-६८, दिनांक ०७ अगस्त, १९६० तथा
शासनादेश सं० २३ १-६५ १९६१ सी०सी०आय०
दिनांक ०१ अप्रैल, १९६१ में किये गये प्रावधानों के अनुसार
तपधारा १-की तपधारा १ के अधीन तथा प्रतिनिहित
अधिकारों का प्रयोग करते हैं राष्ट्रीय प्रसार बकबन्दी
संचालक रुहर प्रदेश एतद्वारा विज्ञापित करता है कि
इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तहसील राजातानाब पुराना कसवार राजा
जनपद जातगामी के ग्राम बिजसेनपुर में बकबन्दी डिपार्ट
समाप्त हो गयी है।

सं० १९२७/जी०-१७/२०२१-२२, उत्तर प्रदेश लोक चक्रवर्ती अधिनियम, १९७३ (उत्तर प्रदेश अधिनियम सं० ६, १९७३) की धारा ६२(१) के अन्तर्गत अधिकांश विधायक सं० १७८९/सीएस०-१-७१-५८ दिनांक ०७ अगस्त, १९५८ तथा सातनादेश सं० २३ दिनांक १९५१-६० सी० अगस्त, १९५१ दिनांक ०१ अप्रैल १९५१ में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (१-क) उपधारा (१) के अधीन तथा प्रतिनिधित्व अधिकारों का प्रयोग करके मैं रमणीय प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश, एताद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापन के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से गढ़सीत ब परगना फूलपुर जनपद मौलीबीहा के ग्राम गोपालपुर में चक्रवर्ती क्रिये सम्पाद हो गयी है।

सं०-1980/जी०-48 2021-22-उत्तर प्रदेश फ़ात
चक्रवर्ती अधिनियम 1983 (उत्तर प्रदेश अधिनियम सं० 5, 1984
ई०) की धारा 52(1) के अन्तर्गत सरकारी विज्ञापन सं०
1-88/सी०एच०-1-81-88 दिनांक 04 अगस्त 1988 तथा
साधनादेश सं० 23 1-88 1-88 सी०एच०-1

दिनांक ०१ अप्रैल १९७१ में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (१-क) उपधारा (१) के अधीन यथा प्रतिनिधित्व अधिकारों का प्रयोग करके मैं, रणवीर प्रभाव, चकबन्दी संचालक सत्ता प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील सदर परगना निजामाबाद जनपद आजमगढ़ के ग्राम नेवरही में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं०-1831 जी०-156 2021-22 उत्तर प्रदेश जल
बचान्दी अभियान, 1863 'उत्तर प्रदेश जल बचान्दी सं० ५ 1864
३०) की यात्रा 6211' के मधीन सरकारी विज्ञापित सं०
1769/सं०एच०-1-91-55, दिनांक 07 अगस्त 1968 तथा
शासनादेश सं० 21 /१-5) 1991-टी०सी०आन०-1
दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किसे गये प्राविधान के अनुसार
जनपद '१' का संचालन '१' के मधीन यथा प्रतिनिधित्व
अधिकारी का प्रयोग करने में सम्पूर्ण प्रसाद बचान्दी
संचालक उत्तर प्रदेश एन०एन० दिज्ञापित करता है कि
इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक की तत्कालीन व परबता किसान जनपद राँतापुर के
ग्राम कारोदी में बचान्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं

सं०-१५७ जी०-१५५ २०२१-२२ चत्तर प्रदेश जोत चक्रवर्ती अधिनियम, १९७३ (तत्प्रा० अधिनियम सं० ६, १९७४-७५) की धारा ८२(१) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० १७६७ सी०एच०-१-७४-६३, दिनांक ०७ सप्टेंबर १९७४ तथा शासनदेश सं० ३३ (५) ६७१-टी०सी०आर०-१ दिनांक ०१ अप्रैल, १९७४ में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (१-क) उपधारा (१) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करने में, एणबीए प्रसाध, चक्रवर्ती संघात्मक छत्तर प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता है कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से सड़सील क परबना विसवा जनपद सीतापुर के ग्राम बजेहरा नसीरपुर में चक्रवर्ती क्रियायें संपन्न हो गयी हैं।

सं०-१०३३, ज०-१५७, २०२१-२३- उत्तर प्रदेश ज०
सकलवर्गी अधिनियम १९७३ (सं०१० अधिनियम सं० ६, १९७४
३०) की धारा ८२(१) के अधीन सरकारी विज्ञापन सं०
१७६७ सी०एच०-१-१४-६८, दिनांक ०७ अगस्त, १९६८ तथा
शासनादेश सं० २३ (५) १६७१ टी०पी०सी०आर०-१.
दिनांक ०१ अप्रैल १९७१ में किये गये प्राविधान के अनुसार

तमधारा (१-क) तमधारा (१) के अधीन खूबा प्रतिनिधित्व अधिकारों का प्रयोग करने में हमेशा प्रसाद चकबन्दी भवतालक उत्तर प्रदेश एताबुद्धारी विज्ञापित करता है कि इस विज्ञापित को सरकारी गणद में प्रकाशित होने को दिनांक से तदर्थित व परबना मुरादाबाद जनपद मुरादाबाद के ग्राम सीवपुर खदर में चकबन्दी क्रियाएँ सम्पादित हो गयी हैं।

सं०-1935 जी०-247 / 2021-22-सदर प्रदेश फौज
सकबन्दी अतिनिवाम सं० 5, 1952
ई०) की धारा 62(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं०
1768/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा
सासनादेश सं० 25/1-5, 1961-सी०सी०आर०-
दिनांक 01 अप्रैल 1961 में किये गये प्रावधान के अनुसार
रूपमात्र 41-क) रूपमात्र 41-क) को समीन यथा प्रतिनिधित्व
अधिकारों का प्रयोग करके मैं, रणवीर प्रसाद, सकबन्दी
संलालक उत्तर प्रदेश एन०एच० विज्ञापित करता हूँ कि
इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तत्कालीन फूलपुर परगना झुंसी जमना
प्रगागराज के ग्राम मुकुन्दपुर में सकबन्दी किराये समान
हो गयी है।

सं०-१९३८/सी०-२४४ २०२१-२२ उत्तर प्रदेश जल
बकबन्दी अधिनियम, १९३३ वि०३३ अधिनियम सं० ६, १९३४
६०) की धारा ६२(१) के अन्वीन सपकारी विलाधि सं०
१९४४/सी०एच०-१-३१-५४ दिनांक ०१ अगस्त, १९५४ तथा
सासनादेश सं० २३ १ (५) १९९१-सी०सी०आर०-
दिनांक ०१ अप्रैल, १९९१ में किये गये प्रावधान के अनुसार
उपधारा (१) की उपधारा (१) के अन्वीन यथा प्रतिनिधित्व
अधिकारों का प्रयोग करके मैं रमवीर प्रसाद बकबन्दी
संघालक कलर प्रदेश एसादद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि
इस विज्ञापित के सपकारी गपद में प्रकाशित होने के
दिनांक से तहसील सदर परगना इपेली जनपद नौलखपुर
के ग्राम अहिरीजी तथा पच्यारा में बकबन्दी क्लिाए
समाप्त हो गयी हैं

सं० १९३७/जी०-२२४७ २०२१-२२- उत्तर प्रदेश जंत
बकुरन्दी अधिनियम, १९३३ वि०१९३ अधिनियम सं० ६, १९३४
६०) की धारा ६२। १ के अर्वाग सरकारी विज्ञापि सं०
२४६ सी०एल०-१-६१-५६, दिनांक ०१ अगस्त, १९५६ तथा
मालनादेश सं० २३ १ १-(६) १९९१-सी०सी०आर०-१
दिनांक ०१ अग्रेल, १९९१ में किय गय प्राविधान क अनुमान

उपखण्ड (1-क) उपधारा (1) के अखीन सभा प्रतिनिधित्व अधिकारी क प्रयोग करके पै. रणवीर प्रसाव, चकबन्दी संचासक, उत्तर प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता ई कि इस विज्ञापि के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से सहसोज व पनगना धनील जनपद अण्णोहा के ग्राम शाहजहांपुर छात में चकबन्दी त्रिन्याय सभाना हो गयी ई।

सं०-1878/जी०-153 2021-22- उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम, 1955 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापि सं० 1769/सी०एच०-1-84-55, दिनांक 07 अगस्त, 1988 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991, टी०सी०आए०-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारी का प्रयोग करका में, रणवीर प्रभाव, चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एम्दुहारा विज्ञापित करता है कि इस विज्ञापि के सरकारी गजट में प्रकलित होने के दिनांक से तहसील व परगना सर्वेजन जनपद रायबरेली के ग्राम पण्डीपुर में चकबन्दी क्रियार्थ समाप्त हो गयी है।

10 જુન 2022 રો

सं०-2143/पौ०-25/2022-23-उत्तर प्रदेश जाल
बकबन्दी अधिनियम 1953 (स०प्र०) अधिनियम सं० 5, 1954
ई०) की कल 82(1) के अधीन राखकारी विज्ञापित सं०
1769 सी०एच०-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा
शासनादेश सं० 29 (5) 1958 टी०सी०आर०-1.
दिनांक 01 अप्रैल, 1958 में किसे गये प्राविधान के अनुसार
स्पष्टाव (1-क) स्पष्टाव (1) के अधीन यथा अधिनियमित
अधिकारी का प्रयोग करके में, एण्डीय प्रसाद बकबन्दी
संजालक, उत्तर प्रदेश एलद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि
इस विज्ञापित के अन्तर्गत गणत में प्रकाशित ज्ञान के
दिनांक से तहसील बिल्सी परगना कांठ ज्ञानपद बदारू के
ग्राम बौदलपर में बकबन्दी किछरों समादा हो गयी है।

24 जून, 2022 रविवार

सं०-२२८७ जी०-२२६, २०२१-२२- उत्तर प्रदेश जौत
चक्रवर्ती अभिनियम १९५३ (३३०७०) अभिनियम सं० ६, १९५४
३०) जी. भा. ५२११) के अधीन सरकारी विज्ञापि सं०
१७६७/सी०एच०.१-४१-६६, दिनांक ०७ अगस्त, १९६६ तथा
शाम-नवरा सं० २३ १ (३) ८३१-टी०एम०आर०।

दिनांक ०१ अप्रैल १९८१ में किये गये प्राविधान के अनुसार उपपारा (१-क) उपपारा (१) के अधीन यथा प्रतिनिधित्व अधिकारों का प्रयोग करके मै. रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संघाध्यक्ष कलाए प्रदेस एतद्वारा विज्ञापित करता है कि इस विज्ञापन के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील नागत परबता बड़ापुर जनपद बिजनौर के प्राग धकचदयचन्द में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2281 / जी०-152 / 2021-22-सुराज प्रदेश फाँत
चक्रवर्ती अधिनियम 1453 (30/3/20) अधिनियम सं० 5, 1954
ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं०
1458 / सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा
शासनार्देश सं० 23 / 1-(5) 1981-सी०एच०-1-81-58
दिनांक 04 अप्रैल, 1981 में किये गये प्राविधान के अनुसार
चण्डारा 1-क) चण्डारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित
अधिकारी का प्रयोग करके मै दणवीर प्रसाद चक्रवर्ती
संचालक उत्तर प्रदेश, एन०एच० द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि
इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तात्सील व परगना कातपी कानपद जालीन के
शाम गजरीया में चक्रवर्ती शिमायें समजा हो गयी हैं।

西 44 東 22 中

सं०-२६१४ / जी०-१५४ ४३-४४-वर्षा प्रदेश जल
बकबन्दी अधिनियम १९६३ वि०३३ अधिनियम सं० ५, १९६५
ई० की धारा ४२(१) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं०
१७४४ 'सीएलएच-१-४१-६४ दिनांक ४७ अगस्त, १९६४ तथा
'एल-१' सं० २३ ॥ १९६५ टी०सी०एच०
दिनांक ४७ अगस्त १९६४ में किए गए प्रवेशन के अनुसार
तपधारा १६६ तपधारा के अधीन तथा प्रतिनिहित
अधिकांशों की प्रयोग करके वे स्थानीय प्रकार बकबन्दी
संचालक सक्षम प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता है कि
इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तहसील ४ परगना भोगीब जनपद मैनपुरी के
ग्राम भोक्त में बकबन्दी किनारों समाप्त हो गयी है।

सं०-२२८८ / जी०-२५७ / ६५-२०१६-सुराष्ट्र प्रदेश फाँत
यकबनदी अधिनियम १९६३ (ए००५३ अधिनियम सं० ५, १९६५
ई०) की धारा ५३(१) के अन्तर्गत सरकारी विज्ञापन सं०
११६८ / सी०एच०-१-३१-६६ दिनांक ०७ अगस्त १९६६ तथा
नं० ११६३ सं० २३ (० १९६६) दि० २० अगस्त १९६६
दिनांक ०५ अगस्त, १९६६ में किये गये प्राविधान के अनुसार

उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन राखा प्रतिनिधित्व अधिकारों का प्रयोग करके मैं न्यायिक प्रसाद बाकबन्दी सचालक, उत्तराखण्ड, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के तदनुसार गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील झूलपुर परगना सिकन्दरा जन्मपद प्रशासन के ग्राम बोमपुर में बाकबन्दी किये जा सकेंगे।

सं०-2290/प्री०.195/88-सतल प्रदेश ज्योत
बकबन्दी अधिनियम 1053 (स०प्र०) अधिनियम सं० 5, 1954
ई०) की क्ला 62(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं०
1789 सी०एच०.1-81-88, विनाक ए० अगस्त, 1968 तथा
शासनादेश सं० 23, (5) 1961.टी०सी०आए०-1
दिनांक ७ अगस्त, 1961 में किये गये प्राविधान के अनुसार
उपखण्ड (1-क) उपखण्ड (1) के अधीन राधा प्रिन्सिपल
अधिकारों का प्रयोग करने में रणवीर प्रसाद बकबन्दी
संचालक, सतल प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित क्यता है कि
इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के
दिनांक से तत्कालीन अमेठी परगना मासल जनपद अमेठी
के ग्राम पैसहा में बकबन्दी क्लिफों समाप्त हो गयी है

सं०-229 / सी०-16 / 54 2020-21 सत्र प्रदेश
जोता चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (2005) अधिनियम सं० 5,
1954 ई० की धारा 5(1) के अधीन सरकारी विज्ञापि सं०
1769 / सी०एच०-1-84-53, दिनांक 07 अगस्त, 1988 तथा
सा०/नं० 90 23 दि० 1991, सी०/एच०-1-84-53
दिनांक 01 अगस्त, 1991 में किये गये प्राविधान को अनुसार
उपधारा (1) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिधित्व
अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती
सी०/नं० 90 23 दि० 1991, सी०/एच०-1-84-53
तथा विज्ञापि के तहत जारी गये प्रकाशित होने के
दिनांक से तत्पश्चात् मुसाफिरखाना परगना जगदीशपुर
अ-102 अमेठी के पास सिपीली में चक्रवर्ती डिग्रा में
समाप्त हो गयी है।

सं०-२२९६/जी०-२०१ २०२१-२२—उत्तर प्रदेश जी०
बकनगढ़ी अधिनियम, १९५३ (तत्कालीन अधिनियम सं० ५, १९५४
ई०) की धारा ५२(१) के अधीन सरकारों विज्ञापित सं०
१७७३ ली०एच०-१-२१-७७, दिनांक ०४ अगस्त, १९७७ तथा
शासनादेश सं० २३ १ (६) १९७१-दी०सी०आर०-१
दिनांक ०१ अगस्त, १९७१ में किये गये प्राविधानों के अनुसार
रूपरेखा (१) की रूपरेखा (१) के अधीन यथा अधिनियम

अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एलद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति को सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तात्सील सालगंज परगना कलित जगपद मिर्जापुर के ग्राम बौदरा तथा चपरीय में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2293 जी०-165 /2022-23-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 521 के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-8-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनावश सं० 23 (6) 1991.टी०पी०आर०. दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा 1.क) उपधारा के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एलद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति को सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तात्सील व परगना साहसवान जगपद बदायूँ के ग्राम ताहिरपुर जाहिरपुर में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2294 जी०-175 /2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 521 के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-8-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनावश सं० 23 (6) 1991.टी०पी०आर०. दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा 1.क) उपधारा के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एलद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति को सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तात्सील व परगना मुहम्मदाबाद गोरना जगपद मऊ के ग्राम कल्लाम्बुर्द में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2295 जी०-188 /2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 521 के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-8-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनावश सं० 23 (6) 1991.टी०पी०आर०. दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा 1.क) उपधारा के अधीन यथा प्रतिनिहित

अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एलद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति को सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तात्सील तखीमपुर परगना खीरी जगपद तखीमपुर खीरी के ग्राम कैलावपुर गुनेता में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2296 जी०-168 /2022-23-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 521 के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-8-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनावश सं० 23 (6) 1991.टी०पी०आर०. दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा 1.क) उपधारा के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एलद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति को सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तात्सील गोता परगना कूकण जगपद तखीमपुर खीरी के ग्राम बाबरपुर में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2297 जी०-56 /2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 521 के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-8-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनावश सं० 23 (6) 1991.टी०पी०आर०. दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा 1.क) उपधारा के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चकबन्दी संचालक उत्तर प्रदेश एलद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति को सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तात्सील सदर परगना जमशगबाद पूर्व जगपद फर्रुखाबाद के ग्राम बीगासऊ में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2298 जी०-880 /2021-22-उत्तर प्रदेश जौत चकबन्दी अधिनियम 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 521 के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1788/सी०एच०-1-8-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनावश सं० 23 (6) 1991.टी०पी०आर०. दिनांक 01 अप्रैल 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा 1.क) उपधारा के अधीन यथा प्रतिनिहित

अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील ब परगना मिताभाबाद जनपद आजमगढ़ के ग्राम मिताउल में चक्रवर्ती क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2299 जी०-178 80-15 1-उत्तर प्रदेश ज० चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (1953 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1768/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बांसी परगना बांसी पूरब जनपद सिद्धार्थनगर के ग्राम बगहनाज तथा कुतारन में चक्रवर्ती क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2300/जी०-48 2021-22-उत्तर प्रदेश ज० चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (1953 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1768/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील सदर परगना विरेयाकसेट जनपद आजमगढ़ के ग्राम धरवाह में चक्रवर्ती क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2301/जी०-328/58-87-उत्तर प्रदेश ज० चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (1953 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1768/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित

अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील शिवारपुर परगना पकसू जनपद बुलन्दशहर के ग्राम कसूमी में चक्रवर्ती क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2302 जी०-58 2021-2022 1)-उत्तर प्रदेश ज० चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (1953 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1768/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील सदर परगना तमशाबाद पूर्व जनपद फर्रुखाबाद के ग्राम दूंगरपुर में चक्रवर्ती क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

01 जुलाई, 2022 ई०

सं०-2358 जी०-228, 2021-22-उत्तर प्रदेश ज० चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (1953 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1768/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद चक्रवर्ती संचालक उत्तर प्रदेश एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील ब परगना विधुना जनपद औरंगा के ग्राम नगला इलैतम में चक्रवर्ती क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

18 जुलाई, 2022 ई०

सं०-2364/जी०-26 2022-23-उत्तर प्रदेश ज० चक्रवर्ती अधिनियम 1953 (1953 अधिनियम सं० 5, 1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1768/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1958 तथा शासनादेश सं० 23 (5) 1991-टी०सी०आर०-1

दिनांक 01 अप्रैल 1881 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपघारा (1-क) उपघारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिल्ली परगना कोट जनपद बदायूँ के ग्राम सिरासूल फट्टी कुंवर सहाय में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

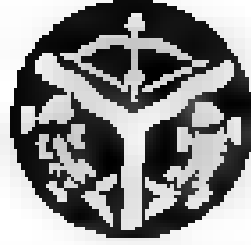
18 जुलाई, 2022 ई०

सं०-2548/जी०-328/38-87- उत्तर प्रदेश जोट चकबन्दी अधिनियम, 1853 (उ०प्र० अधिनियम सं० 8, 1854 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 788 सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त, 1858 तथा शासनादेश सं० 23 (3) 1881-सी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1881 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपघारा (1-क) उपघारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के

दिनांक से तहसील शिकारपुर परगना पहासू जनपद बुलन्दशहर के ग्राम अनीना में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

सं०-2547/जी०-28 2022-23। 1-उत्तर प्रदेश जोट चकबन्दी अधिनियम, 1853 (उ०प्र० अधिनियम सं० 8, 1854 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञापित सं० 1769/सी०एच०-1-81-58 दिनांक 07 अगस्त 1858 तथा शासनादेश सं० 23 (3) 1881-सी०सी०आर०-1 दिनांक 01 अप्रैल, 1881 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपघारा (1-क) उपघारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं रणवीर प्रसाद, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञापित के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिल्ली परगना कोट जनपद बदायूँ के ग्राम करनपुर में चकबन्दी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं।

रणवीर प्रसाद
चकबन्दी संचालक
उत्तर प्रदेश



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 20 अगस्त, 2022 ई० (श्रावण 29, 1944 शक संवत्)

भाग 4

कार्यालय सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

वर्ष 2022 की हाईस्कूल कम्पार्टमेन्ट, इम्प्लूवमेन्ट एवं इण्टरमीडिएट
कम्पार्टमेन्ट परीक्षा के लिये आवेदन करने वाले परीक्षार्थियों के लिये

परीक्षा कार्यक्रम

दिनोंक तथा परीक्षा समय

दिपक्ष तथा दिनांक	समय	विषय तथा प्रश्नपत्र हाईस्कूल	विषय तथा प्रश्नपत्र इण्टरमीडिएट
1	2	3	4
शनिवार 27 अगस्त 2022 ई०	प्रातः ८-१० बजे से ११-१५ बजे तक	हिन्दी सार्वजनिक हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी (नया पाठ्यक्रम), संस्कृत पालि गणित गृह विज्ञान (कमल कलिकावती के लिये), विज्ञान, सामाजिक विज्ञान संगीत गायन, संगीत वादन, वाणिज्य विश्वकला कृषि गृह विज्ञान (बासवर्ग के लिये तथा चन बासवर्गों के लिये विज्ञानों इसे अनिवार्य विषय के रूप में नहीं लिया है।) कम्प्यूटर	

1	2	3	4
तानिवाज 27 अगस्त 2022 ई०	साथ 4 बजे से 3-10 बजे तक		<p>हिन्दी सामान्य हिन्दी संस्कृत उर्दू, अंग्रेजी (नया पाठ्यक्रम), अरबी इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, गणित, सैन्य विज्ञान, फलविज्ञान, शिक्षा शास्त्र, गुरु विज्ञान, अर्थशास्त्र, लक्षशास्त्र, संगीत नायक, संगीत गायन चित्रकला (आलेखन), चित्रकला (प्रारंभिक), रंजनकला, समाज शास्त्र, कम्प्यूटर प्रणाली, शिल्प, रिताई, मौलिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, जैवा शास्त्र (नया पाठ्यक्रम), व्यवसाय अध्ययन (नया पाठ्यक्रम), कृषि शास्त्र विज्ञान (एगोनामी)-प्रथम प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-1 के लिये), कृषि वनस्पति विज्ञान-द्वितीय प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-1 के लिये), कृषि मौलिकी एवं जलवायु विज्ञान-तृतीय प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-1 के लिये), कृषि अभियंत्रण-चतुर्थ प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-1 के लिये), कृषि गणित तथा प्रारंभिक सांख्यिकी-पंचम प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-1 के लिये), कृषि सस्य विज्ञान (एगोनामी)-षष्ठम प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-2 के लिये), कृषि अर्थशास्त्र-सप्तम प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-2 के लिये), कृषि जन्तु विज्ञान-अष्टम प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-2 के लिये), कृषि पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान-नवम प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-2 के लिये), कृषि रसायन विज्ञान-दशम प्रश्नपत्र-(कृषि भाग-2 के लिये), सामान्य आधुनिक विषय, फल एवं खाद्य संरक्षण-प्रथम प्रश्नपत्र, पाकशास्त्र (कुकरी)-प्रथम प्रश्नपत्र, परिधान रचना एवं सज्जा-प्रथम प्रश्नपत्र, परिधान रचना एवं सज्जा-द्वितीय प्रश्नपत्र, परिधान रचना एवं सज्जा-चतुर्थ प्रश्नपत्र, परिधान रचना एवं सज्जा-पंचम प्रश्नपत्र, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी-प्रथम प्रश्नपत्र, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी-चतुर्थ प्रश्नपत्र, टेक्सटाइल डिजाइन-पंचम प्रश्नपत्र, बुनाई तकनीक-प्रथम प्रश्नपत्र, बुनाई तकनीक-द्वितीय प्रश्नपत्र, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिक्षण प्रबन्ध-प्रथम प्रश्नपत्र, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिक्षण प्रबन्ध-तृतीय प्रश्नपत्र, पुस्तकालय विज्ञान-पंचम प्रश्नपत्र, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्मिक (मेडिकल लेबोरेटरी तकनीक साहित्य)-प्रथम प्रश्नपत्र, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्मिक (मेडिकल लेबोरेटरी तकनीक साहित्य)-द्वितीय प्रश्नपत्र, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्मिक (मेडिकल लेबोरेटरी तकनीक साहित्य)-तृतीय प्रश्नपत्र, रंगीन फोटोग्राफी-प्रथम प्रश्नपत्र, रंगीन फोटोग्राफी-द्वितीय प्रश्नपत्र, रंगीन फोटोग्राफी-तृतीय प्रश्नपत्र, रंगीन फोटोग्राफी-पंचम प्रश्नपत्र, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन-प्रथम प्रश्नपत्र, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन-द्वितीय प्रश्नपत्र, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन-तृतीय प्रश्नपत्र, रेडियो एवं रंगीन टेलीविजन-पंचम प्रश्नपत्र, आटोमोबाइल-प्रथम प्रश्नपत्र</p>

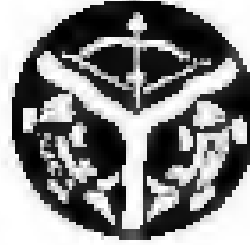
1	2	3	4
तारीख 27 अगस्त 2022 ई०	साथ 2 बजे से 5-10 बजे तक		आटोमोबाइल-चतुर्थ प्रश्नपत्र, डेरी प्रौद्योगिकी-चतुर्थ प्रश्नपत्र, बीजात्मक प्रौद्योगिकी-प्रथम प्रश्नपत्र, फसल सुरक्षा सेवा-प्रथम प्रश्नपत्र, बीपशासा-प्रथम प्रश्नपत्र, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण-प्रथम प्रश्नपत्र, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण-द्वितीय प्रश्नपत्र, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण-तृतीय प्रश्नपत्र, एकाउन्टेन्सी एवं अंकेक्षण-चतुर्थ प्रश्नपत्र, बैंकिंग-प्रथम प्रश्नपत्र, बैंकिंग -तृतीय प्रश्नपत्र, आशुलिपि एवं टंकण हिन्दी-प्रथम प्रश्नपत्र, आशुलिपि एवं टंकण हिन्दी-द्वितीय प्रश्नपत्र, आशुलिपि एवं टंकण हिन्दी-तृतीय प्रश्नपत्र, आशुलिपि एवं टंकण हिन्दी-चतुर्थ प्रश्नपत्र, आशुलिपि एवं टंकण हिन्दी-पंचम प्रश्नपत्र, सचिबीय पद्धति-प्रथम प्रश्नपत्र, टंकण हिन्दी एवं अंग्रेजी-प्रथम प्रश्नपत्र, टंकण हिन्दी एवं अंग्रेजी-तृतीय प्रश्नपत्र, कम्प्यूटर तकनीक एवं मेन्टेनेन्स-प्रथम प्रश्नपत्र, बरीखाता तथा लेखाशास्त्र (पुराना पाठ्यक्रम)-(वाणिज्य वर्ग के लिये), गणित तथा प्रारम्भिक सांख्यिकी (पुराना पाठ्यक्रम)-(वाणिज्य वर्ग के लिये)।

दिम्पकान्त शुक्ल,
सचिव,
माध्यमिक शिक्षा परिषद्,
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

पी०एस०यू०पी०-21 हिन्दी गजट-भाग 4-2022 ई०।

मुद्रक एवं प्रकाशक-निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

पी०एस०यू०पी०-63 मा०शि०म०-20-08-2022-502 प्रतियां (मो० / डी०टी०पी० / आफसेट)।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, रविवार, 20 अगस्त, 2022 ई० (श्रावण 29, 1944 ए० संवत्)

भाग B

सरकारी कागज-पत्र, ब्याई हुई रुई रुई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण की आंचाई, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंचाई, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

NOTICE OF WITHDRAWAL

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

[ORIGINAL JURISDICTION]

Election Petition no. 15 of 2019

(Under 199(2) of the R. P. Act, 1951)

Shri Raghuveer Singh

Petitioner

VERSUS

Haji Fajal-ur-Rehman and 9 others

Respondent

Election Petition against the election of Haji Fajal-ur-Rehman in the House of People General Election, 2019 from the 01, Saharanpur Parliamentary Constituency.

Whereas an Election Petition has been presented to this court by the above named petitioner in which he has made the withdrawal application and that the said application is fixed for hearing on 24th day of August, 2022.

Any one or other person desirous of supporting or opposing the order/decision on the said withdrawal application, should appear before the court in person or by his advocate on or before the date fixed for the hearing of the withdrawal application.

Take notice that in default of entering appearance by anyone on the within said time, the withdrawal application will be heard and determined.

Given under my hand and the seal of the Court this 05th day of August, 2022.

(Sd.) ILLEGIBLE

Deputy Registrar,
High Court, Allahabad,

सूचना

सर्वसाम्प्रारण को सूचित किया जाता है कि प्राप्ती की माता जी के घर का नाम सरोज पाण्डेय है जब कि आधार कार्ड में मेरी माता जी का नाम दुर्गावती देवी अंकित है जुटिवरा में हाई स्कूल सर्टीफिकेट में मेरी माता जी का घर का नाम अंकित हो गया है उपरोक्त दोनों नाम मेरी माता जी का ही है। भविष्य में मेरी माता जी को दुर्गावती देवी पत्नी राम अज्ञा के नाम से जाना जाय।

शिवाशू पाण्डेय,
ग्राम-आहर्, पी०-सोनडा,
तहसील-भानुपुर,
जिला-बरौली, 80901।

सूचना

सर्वसाम्प्रारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री दिव्यांशी साहू के शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम बरखा साहू अंकित हो गया है जो जुटिपूर्ण है। मेरा सही नाम वर्मा साहू पत्नी दीप साहू है। बरखा साहू एवं वर्मा साहू पत्नी दीप साहू एक ही महिला है। मुझे वर्मा साहू के नाम से जाना व पहचाना जाये।

वर्मा साहू,
पत्नी दीप साहू,
निवासी-17/83न्यू
लक्कर लाहन पुराना बैरहना,
प्रयागराज।

सूचना

सर्वसाम्प्रारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री स्नेच्छा साहू के शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम बरखा साहू अंकित हो गया है जो जुटिपूर्ण है मेरा सही नाम वर्मा साहू पत्नी दीप साहू है। बरखा साहू एवं वर्मा साहू पत्नी दीप साहू एक ही महिला है। मुझे वर्मा साहू के नाम से जाना व पहचाना जाये।

वर्मा साहू,
पत्नी दीप साहू,
निवासी-17/83न्यू
लक्कर लाहन पुराना बैरहना,
प्रयागराज।

सूचना

सर्वसाम्प्रारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स-अली राइस मिल प्ला-कोटा निकट केमरी, जिला-रामपुर (मूपी०) नामक फर्म में दिनांक 31 जुलाई, 2022 को श्री नावेद संकुम पुत्र पुष्पे अली, निवासी-मी० तकिवा, केमरी, जिला-रामपुर व श्री मी० अजमत पुत्र अकबर अली निवासी-मी० तकिवा, केमरी, जिला-रामपुर व श्री मी० अफरोज डेफी पुत्र रफीक अहमद निवासी-मी० नवाबन (कुशियान), केमरी, जिला-रामपुर व श्री नबी हुसन पुत्र

स्व० हाजी मुलेमान निवासी-इनामबाड़ा, केमरी, जिला-रामपुर व श्री सदाकत अली पुत्र हाकत अली निवासी-मी० तकिवा केमरी, जिला-रामपुर व श्री जहीर अहमद पुत्र श्री तब्बीर अहमद निवासी-मी० तकिवा केमरी, जिला-रामपुर रितावर हो गये हैं तथा दिनांक 01 अगस्त, 2022 को श्री रईस अहमद पुत्र श्री नसीरुद्दीन निवासी मौहल्ला माजुल्ला नगर, रामपुर व श्री हजूर अहमद पुत्र श्री इस्माईल निवासी इनामबाड़ा, केमरी, जिला-रामपुर व श्री हनीफ पुत्र श्री नसीरुद्दीन निवासी-मी० माजुल्ला नगर, रामपुर शामिल हो गये हैं तथा रितावर पार्टनर की उक्त फर्म पर कोई देनदारी व जेनदारी बकाया नहीं है तथा अब वर्तमान में चार पार्टनर श्री मी० अजमत अली, श्री रईस अहमद, श्री हजूर अहमद व श्री मी० हनीफ रह गये हैं।

साझेदार,
मी० अजमत अली,
फर्म मैसर्स-अली राइस मिल
प्ला-कोटा निकट केमरी,
जिला-रामपुर।

सूचना

सूचित किया जाता है कि हम साझेदार सरिता रस्तोगी पत्नी स्व० सुशील कुमार रस्तोगी तथा शोभित रस्तोगी पुत्र स्व० सुशील कुमार रस्तोगी निवासीगण 14/20 टी०बी साबू रोड, प्रयागराज, फर्म जी०एस०बी० एसोसिएट्स से वि० 18 जुलाई, 2022 को फर्म से रिटायर हो गये हैं तथा इस तिथि से हम फर्म जी० एस०बी० एसोसिएट्स से कोई वास्ता व संबंध नही होगा। हम दोनों पार्टनर के स्थान पर रंजन केसरवानी पुत्र तमेश्वर प्रसाद निवासी 181/88, कटमर, प्रयागराज, तबकुश केसरवानी पुत्र स्व० दक्खी लाल केसरवानी निवासी 835 कर्नलगंज, प्रयागराज, संजय केसरवानी पुत्र बन्नी प्रसाद केसरवानी 48/23 न्याय मार्ग, प्रयागराज, देवेन्द्र केसरवानी पुत्र सतीश कुमार गुप्ता निवासी 82 एस०बी०एस० कालोनी, मम्फोर्जगंज, प्रयागराज व सतीश कुमार गुप्ता पुत्र स्व० हरनाथराज गुप्ता निवासी 48/13 फ्लैट नं० 301 कसाऊ रोड, प्रयागराज नये साझेदार के रूप में शामिल हुये हैं। ये पौर्ची साझेदार जिस तरह से चाहें वैसे व्यापार करें, फर्म का नाम बदलें या फर्म के कारखाने का पता बदलें हम दोनों पुराने साझेदार को कोई आपत्ति नहीं है और न भविष्य में होगी।

सरिता रस्तोगी,
पार्टनर,
जी०एस०बी० एसोसिएट्स।

सूचना

मेरी पुत्री विमल प्रजापति के 0850 नंबर 10वीं के अंतराक्षिक प्रमाण-पत्र में मुद्रित मेरा व मेरी पत्नी का नाम

मिपिन प्रनापति व नेहा प्रनापति फलत अधिक से गया है जबकि पेश सही नाम मिपिन कुशर व मेरी पत्नी का सही नाम उषा है।

मिपिन कुशर पुत्र 180 श्री इलाहिन,
निवासी-ग्राम नरहेहा बनकाल,
बाकुपु, निख-लखीमपुर।

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेमर्स कृष्णा कान्हेकर, महोतिगा निवापर हरदोई की साझेदारी फर्म 1832 साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है जिसमें पाँच साझेदार श्री बलराम गुप्ता, श्री दीपक कुमार गुप्ता, श्री जय किशन गुप्ता, श्री सुरेन्द्र कुमार, श्री सुधीर कुमार थे, जिसमें से तीन साझेदार श्री जय किशन गुप्ता, श्री सुरेन्द्र कुमार एवं श्री सुधीर कुमार आपसी सहमति से फर्म की साझेदारी से अलग हो रहे हैं।

साझेदार,
बलराम गुप्ता,
साझेदार कृष्णा कान्हेकर,
जिला-हरदोई।

सूचना

सर्वेसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेमर्स आदित्य फिशिंग स्टेशन फता ग्राम व पोस्ट-मछेरा, तहसील गोहमादी, जिला-लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश वर्तमान में पंजीकृत फर्म जिसके साझेदारों का विवरण निम्न प्रकार है—

1-अनुराग तिवारी

2-जया तिवारी

दिनांक 23-07-2022 से साझेदारों की आपसी सहमती द्वारा फर्म को बंद किया जा रहा है। एतएव द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि फलत के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा गया है।

जया तिवारी,

साझेदार,

मेमर्स आदित्य फिशिंग स्टेशन,
ग्राम व पोस्ट-मछेरा, तहसील गोहमादी,
जिला-लखीमपुर खीरी-262804।

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेमर्स जेठवेंग रोड जाइन्स, मदन कुंगी लोनाम बस सड़का हरदोई की साझेदारी फर्म 1832 साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है जिसमें दो साझेदार श्री जय किशन गुप्ता एवं श्री विजय तंकर गुप्ता थे, जिसमें एक नये साझेदार श्री विनीत गुप्ता फर्म की साझेदारी में नये शामिल हो रहे हैं।

साझेदार,

जय किशन गुप्ता,

साझेदार जेठवेंग रोड जाइन्स,
जिला-हरदोई।